तापमान
अधिकतम 23 .0 डिग्री
न्यूनतम 7 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 14 दिसंबर 2025

11 गोमाता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का निवास

11 पढ़ाई के साथ खेलों का संतुलन सफलता की कुंजी

खबर संक्षेप

ढाठरथ मकान से सोने के जेवरात-नकदी चोरी

जींद। गांव ढाठरथ में एक मकान से दोपहर को जेवरात व लाखों रुपये की नगदी चोरी हो गई। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव ढाठरथ निवासी बनारसी ने बताया कि वह अपने लिए नया मकान बनवा रहा है।

ट्रैक्टर- ट्राली चोरी करने के मामले में आरोपी काबू

कैथल। थाना पुंडरी क्षेत्र के एक गांव से ट्रैक्टर- ट्राली चोरी करने के एक मामले की जांच एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई जसमेर सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी गांव बरसाना निवासी विक्रम को काबु कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव रमाना रमाणी निवासी मनीष कुमार की शिकायत अनुसार उसकी गांव बरसाना में रेती बजरी की दुकान हैं।

खाली मकान से गहने नगदी चोरी, मामला दर्ज

जुलाना। क्षेत्र के किलाजफरगढ़ गांव में चोरों ने खाली मकान को निशाना बनाते हुए मकान का ताला तोड़कर घर में रखी नगदी और गहने चोरी कर लिए। इसकी शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव किलाजफरगढ़ गांव निवासी रिंकू ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है।

खेत से हजारों की बिजली तार चोरी, शिकायत दर्ज

राजौंद। राजौंद के बीर बागड़ा मार्ग पर खेत से अज्ञात चोर बिजली की तार चोरी करके ले गए। खेत मालिक डिंपल राणा ने बताया कि शुक्रवार को रात 8 बजे वह खेत गेहूं की फसल को पानी देकर आएं थेए तार भी ठीक-ठाक छोड़ कर आए थे सुबह जब खेत में गए तो देखा कि खेत से लगभग 40 फुट तार काट कर अज्ञात चोर चोरी करके ले गई।

दुर्घटनाग्रस्त हुई गाड़ी से हजारों का सामान चोरी

जींद। गांव गुलकनी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई गाड़ी से कुछ लोगों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। गाड़ी चालक ने विजय नामक एक युवक पर चोरी के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने विजय को नामजद कर अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव रामराय निवासी सुरेंद्र ने बताया कि वह गांव में ही दुकान खोलने के लिए अपनी कार में सामान लेकर 21 नवंबर को हिसार की तरफ से आ रहा था।

योजना का लाभ उठाएं पात्र नागरिक : डीसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर फ्री बिजली योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवार जिनकी सालाना आय 1.80 लाख से कम है सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है, वे दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर कुल 1.10 लाख का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं ।

ट्री गार्ड को चेक करने के लिए लगाई ड्यूटी

जींद। शनिवार को प्रधान बूटा सिंह पुनिया की अध्यक्षता में डे केयर सैंटर सैक्टर 7 में बैठक आयोजित की गई। इसमें पिछली मीटिंग का अनुमोदन किया गया। पिछले महीने में 180 ट्री गार्ड समेत लगाए गए पौधा रोपण बारे अवलोकन किया गया। बैठक में सभी पौधों व ट्री गार्डो को चैक करने का निर्णय लिया गया।

पीओ पकड़ो स्टाफ ने दो भगौड़े आरोपित दबोचे

कैथल। पीओ पकड़ो स्टाफ द्वारा अलग अलग मामलों में 2 भगौड़े आरोपियों को काबू किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पीओ पकड़ो स्टाफ के एएसआई महा सिंह की टीम द्वारा आरोपी गांव कैलरम निवासी इंद्र सिंह को काबू कर लिया गया।

अफवाह पर बिजली बिल समस्याओं व माफी को लेकर पहुंची थी महिलाएं, नहीं मिला कोई अधिकारी

महिलाओं ने रामपुरा रोड पर लगाया जाम

बिजली बिल संबंधी निदान को लेकर झूठी अफवाह फैलाने पर अधिवक्ता ने दी शिकायत

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर करवाया शांत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सफीदों स्थित एसडीएम कार्यालय के सामने रामपुरा रोड पर शनिवार को महिलाओं ने जाम लगा दिया। जाम लगाए महिलाओं का कहना था कि लोक अदालत में बिजली बिलों की समस्याओं का समाधान करने की जानकारी मिली थी लेकिन कोई नही आया। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीएम कार्यालय में कोई लोक अदालत न होने की बात कही। जिस पर महिलाएं शांत हो गई और वापस लौट गई। बाद में जांच में सामने आया किसी ने बिजली बिलों की समस्याओं का समाधान व माफी को लेकर अफवाह फैला दी थी। ऐसे में निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली बिल माफी की कोई योजना अभी नही है। सफीदों स्थित लघु सचिवालय में काफी संख्या में महिलाएं अपने बिजली बिलों को ठीक करवाने के लिए पहुंची लेकिन काफी देर तक यहां सुनवाई के लिए कोई नही मिला। जिस पर महिलाएं रामपुरा सड़क के बीचोंबीच बैठ कर जाम लगा दिया। महिलाओं ने बताया कि उन्हें बताया था कि लोक अदालत में बिजली बिलों व अन्य समस्याओं का समाधान किया जाएगा लेकिन यहां कोई अधिकारी सुनने वाला नही समस्या के समाधान होने की सोच कर व ठंड के बीच सुबह ही एसडीएम कार्यालय पहुंच गई थी।

जींद। रामपुरा रोड पर जाम लगाए महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

अफवाह से बचें, बिल का नियमित भुगतान करें: अमित सिंह

बिजली बिल माफी को लेकर फैल रही भ्रांतियों पर विराम लगाते हुए डीएचबीवीएन के कार्यकारी अभियंता अमित सिंह ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में सरकार अथवा बिजली विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की बिजली बिल अथवा ब्याज माफी की कोई घोषणा नहीं की गई है। इसके बावजूद कुछ उपभोक्ता गलत जानकारी के आधार पर अपने बिजली बिल माफ कराने के उद्देश्य से बिजली बोर्ड तथा प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। बिजली उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। बिजली बिल समय पर जमा करना प्रत्येक उपभोक्ता का कर्तव्य है। नियमित रूप से बिजली बिल भरने से न केवल विभागीय कार्यों में सुगमता रहती है बल्कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी सुदृढ़ बनी रहती है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने बिजली बिल निर्धारित तिथि के भीतर जमा कर एक जिम्मेदार एवं अच्छे नागरिक होने का परिचय दें। साथ ही किसी भी प्रकार की योजना या छूट से संबंधित जानकारी केवल विभाग की आधिकारिक सूचना अथवा अधिकृत माध्यमों से ही प्राप्त करें। यदि किसी उपभोक्ता को अपने बिजली बिल से संबंधित कोई समस्या या संशय है तो वे संबंधित बिजली कार्यालय में संपर्क कर विधिवत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अधिवक्ता ने दी शिकायत

जींद निवासी अधिवक्ता घनश्याम गोयल ने पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों को ई-मेल के माध्यम से शिकायत भेज कर बताया कि शनिवार को लोक अदालत में काफी संख्या में बिजली बिल माफी के लिए लोग पहुंचे। जब उन्होंने उनसे पूछताछ की तो बताया कि उन्होंने फेसबुक चैनल पर रील देखी है। जिसमें बताया गया है कि लोक अदालत में बिजली बिलों को लेकर समस्याओं का निदान किया जाएगा। जबकि लोक अदालत में बिजली बिलों को लेकर कोई सुनवाई नही थी। ऐसे में उन्होंने ई-मेल के माध्यम से झूठी जानकारी प्रसारित करने से हजारों लोगों को परेशानी को लेकर शिकायत दर्ज करवाई है।

लोक अदालत का आयोजन नहीं

जब यहां पता किया तो न तो उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी मिली और न ही किसी ने उनकी समस्या का समाधान किया। जाम की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बताया कि कोर्ट में लोक अदालत लगी है। एसडीएम कार्यालय में किसी तरह की लोक अदालत का आयोजन नही किया है। अफवाह व गलत जानकारी के चलते महिलाएं एसडीएम कार्यालय में पहुंच गई हैं। शनिवार को कार्यालय की छुट्टी होने से कोई भी अधिकारी नही है। जिस पर महिलाएं शांत हो गई जाम खोल दिया। सफीदों शहरी एसडीओ अंकुश ने स्पष्ट किया कि सरकार अथवा विभाग की तरफ से ऐसी कोई हिदायत जारी नहीं हुई है। अगर भविष्य में सरकार व विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के हित से संबंधित कोई हिदायत जारी होगी तो उसकी जानकारी अवश्य दी जाएगी।

बिजली बिल माफी का मैसेज देखकर लघु सचिवालय में उमड़ी लोगों की भीड़

कैथल में गुस्साए लोगों ने की जमकर नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सोशल मीडिया पर बिजली बिल माफ होने के फर्जी मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल होने से हजारों की संख्या में ग्रामीण कैथल के लघु सचिवालय में पहुंच गए। वहां जाकर पता चला कि यह आयोजन बिजली बिल माफ करने के लिए नहीं बल्कि लोक अदालत का था। बाद में बिल माफ करवाने की उम्मीद से आए लोगों के हाथ केवल निराशा लगी। इसे लेकर ग्रामीणों ने रोष भी जताया तथा नारेबाजी की।

वायरल संदेश में लिखा गया था कि 13 दिसंबर को लगने वाली लोक अदालत में बिजली के बकाया बिल और बैंक के लोन माफ किए जाएंगे। इस संदेश पर भरोसा कर बड़ी संख्या में लोग जिला सचिवालय कैथल पहुंच गए। जब वहां पर कर्मचारियों द्वारा उनको बताया गया कि ऐसा कोई शिविर या आयोजन किसी विभाग ने नहीं किया तो लोग रोष जताते हुए वापस लौट गए।

कुछ लोग भड़क गए और उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। लोगों का कहना था कि उन्हें यह सूचना सोशल मीडिया के माध्यम से मिली कि सरकार लोक अदालत के जरिए बकाया बिजली बिल और बैंक लोन माफ करेगी, इसलिए वे यहां पहुंचे हैं। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने साफ किया कि सरकार की ओर से इस तरह का कोई आदेश या दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। इस अफवाह के कारण सचिवालय में लंबी भीड़ लग गई और लोग घंटों परेशान होते रहे।

कैथल। लघु सचिवालय में जमा हुए ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

आखिर किसने भेजा फर्जी मैसेज

बताया जा रहा है कि विभाग के अधिकारी यह पता करने में जुटे हैं कि आखिरकार यह फर्जी मैसेज किस सोशल मीडिया प्लेटफार्म द्वारा जारी किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस फर्जी मैसेज के कारण जिले के हजारों लोगों व कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पडा। भविष्य में यह ओर भी बडी परेशानी का सामना बन सकता है। ऐसे में इस प्रकार की सोशल मीडिया पर शिकंजा कसा जा सकता है।

ये मिथ्या प्रचार किया

कैथल जिला अदालत के वकील अरविंद खुरानिया ने बताया कि लोक अदालत इसलिए लगाई जाती है कि कोर्ट के ऐसे केस जिनका फैसला आपसी सहमति से हो सकता है। इसमें पक्ष अपनी शर्तों के हिसाब से राजीनामा कर लेते हैं। जहां तक बिजली या पानी के बिल माफ करने की बात है, ये मिथ्या प्रचार किया गया। जिसने ये संदेश वायरल किया वह गलत है। लोगों को ऐसे संदेशों के विश्वास में नहीं आना चाहिए।

बिल माफ नहीं किए जा रहे

कैथल के कृष्ण कुमार ने बताया कि उसने सोशल मीडिया पर मैसेज देखा और बिल माफ करवाने के लिए सचिवालय परिसर में पहुंच गया। यहां अधिकारियों और कर्मचारियों ने बताया कि बिल माफ नहीं किए जा रहे हैं। ऐसे में वह निराश है।

कलायत। घटना का जायजा लेने पहुंचे भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत।

करियाना स्टोर में घुसी गाड़ी, महिला की मौत

» दुर्घटना में करियाना स्टोर बुरी तरह तहस-नहस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कलायत रेलवे रोड पर अनाज मंडी के नजदीक सुबह करीब 9 बजे संतुलन बिगड़ने से एक आल्टो गाड़ी 55 वर्षीय निजी सफाई कर्मी शीला देवी को चपेट में लेते हुए भाजपा वरिष्ठ नेता मोती लाल के करियाना स्टोर में जा घुसी। दुर्घटना में करियाना स्टोर बुरी तरह तहस-नहस हो गया। मालिक मोती लाल व उनके परिवार के सदस्य बाल-बाल बचे। काफी देर वे खुद को नहीं संभाल पाए। हादसे में बुरी तरह जख्मी महिला को पहले कलायत उपरांत जिला नागरिक अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्तपाल के डाक्टरों ने महिला को मृतक घोषित कर दिया। थाना प्रबंधक बलबीर सिंह ने बताया कि मृतक महिला के बेटे की शिकायत पर इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है। मृतक महिला का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया। मृतक महिला के बेटे नवीन ने बताया कि गाड़ी युवक ट्राईव कर रहा था। उसने वाहन को तेज व लापरवाही से चलाते हुए अनाज मंडी की तरफ जा रही उसकी माता को चपेट में ले लिया।

परिवार सहमा

तेज टक्कर से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थिति को संभाला गया। पुलिस व परिजनों द्वारा घायल महिला को स्थानीय अस्पताल ले जा गया। डाक्टरों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए जिला नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया। दर्दनाक हादसे से परिवार के लोग बुरी तरह से सहमे हैं। यह परिवार मजदूरी से घर का चूल्हा जलाता आया है। घटना के समय मौके पर कुछ नगर पालिका सफाई कर्मी भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि गाड़ी सड़क के बीचों-बीच तेज गति से आई। देखते ही देखते वाहन चालक ने महिला को जख्मी करते हुए दुकान को क्षति ग्रस्त कर दिया। जो दृश्य था उसके चलते अन्य वाहन व लोग भी घटना का शिकार हो सकते थे। लेकिन गाड़ी दुकान के काउंटर व लोहे के बाक्स से टकराते हुए क्षतिग्रस्त हुई और आगे नहीं बढ़ पाई।

बड़ौदा में सर्विस रोड पर पैचवर्क प्रारंभ

उचाना। बड़ौदा में सर्विस रोड पर बने गहरे गड्ढों से वाहन चालकों को राहत मिली है। यहां पर फ्लाईओवर के दोनों तरफ बने गहरे गड्ढों से छुटकारा दिलाने के लिए पैचवर्क का कार्य चल रहा है। काफी हद तक कार्य पूरा हो चुका है। यहां से आने-जाने वाले वाहन चालकों को गहरे गड्ढों के चलते हादसा होने का डर रहता था। गांव की तरफ जो सर्विस रोड है वहां तो काफी गहरे गड्ढे होने के चलते दोपहिया वाहन चालक चोटिल तक हो चुके थे। बारिश के मौसम में पानी भरने से वाहन चालक को गड्ढों का पता नहीं होने से वाहन पलटते-पलटते बचते थे। वाहन चालक राजबीर, सुनील, अनिल ने कहा कि बड़ौदा के फ्लाइओवर के दोनों तरफ सर्विस रोड जो बने है वहां पर गड्ढे काफी गहरे थे। कई बार दो पहिया वाहन चालक गड्ढों के चलते गिर कर चोटिल भी हो चुके हैं। अब सर्विस रोड पर पैचवर्क का काम लगभग पूरा होने से वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है। इन गड्ढों से छुटकारा दिलाने की मांग काफी समय से करते आ रहे है जो अब पैचवर्क से पूरी हो गई है।

उचाना। बड़ौदा सर्विस रोड पर किया गया पैचवर्क। फोटो :हरिभूमि

पच्चीस साल से फरार चल रहा आरोपित गिरफ्तार

जींद। ऑपरेशन हॉटस्पोट डोमिनेशन अभियान के तहत उचाना मंडी चौकी पुलिस ने 25 साल से फरार चल रहे आरोपि को गिरफ्तार किया है। उचाना मंडी चौकी के इचांर्ज उपनिरीक्षक अनील कुमार ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि थाना उचाना के तहत 30 अगस्त 1997 को वांछित आरोपित उचाना खुर्द निवासी मिथा को धारा 188, 332, 333, 353, 409, 506, 427 आईपीसी के तहत अदालत ने वर्ष 2001 में सात वर्ष कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के उपरांत मिथा ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से से जमानत प्राप्त कर अपने गांव उचाना खुर्द से फरार हो गया तथा फरारी के दौरान आरोपित ने अपना नाम बदल कर कर्मबीर रख लिया तथा विभिन्न स्थानों पर संस्कृत, रामायण, महाभारत एवं वेदों के प्रचार-रप्रसार की आड़ में अपनी पहचान छुपा कर जीवन व्यतीत कर रहा था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोटए चंडीगढ़ द्वारा सजा बरकरार रखे जाने के पश्चात भी फरार आरोपित का कोई सुराग नही मिल पा रहा था।

दो नशा तस्कर गिरफ्तार

जींद। ऑपरेशन हॉटस्पोट डोमिनेशन के तहत सीआईए स्टॉफ जींद 1 ने एक किलोग्राम 165 ग्राम चरस सहित दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। चरस को हिमाचल प्रदेश से तस्करी कर लाया जा रहा था। सीआईए स्टाफ जींद के इचांर्ज पीएसआई मनीष कुमार ने बताया कि उनकी एक टीम पीएसआई आनंद के नेतृत्व में सफीदों रोड बाईपास पुल के नीचे गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि हिसार निवासी अमृत साथी के साथ मिलकर हिमाचल प्रदेश से काफी मात्रा में नशीला पदार्थ लेकर वरना कार में जींद की ओर आ रहा है। सुचना के आधार पर टीम ने गोहाना-जींद नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी शुरू की गई। टीम ने तत्परता दिखाते वाहन को सुरक्षित तरीके से रोक कर चालक व सवार व्यक्ति से पूछताछ की तो वाहन चालक ने नाम अमन वासी हैबतपुर (हिसार) तथा साथ बैठे व्यक्ति ने नाम अमृत वासी राबड़ी खास (हिसार) बताया।

दो रोडवेज बस और ट्रक क्षतिग्रस्त

कैथल। कैथल के चंडीगढ़-हिसार राष्ट्रीय मार्ग पर गांव कैलरम के पास धान की ट्राली को पीछे से ट्रक की टक्कर लगने से पीछे चल रही हरियाणा राज्य परिवहन की दो बसें व एक निजी गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। इसमें कई लोगों को चोटें आई। मुख्य मार्ग पर काफी समय तक सडक व्यवस्था प्रभावित रही। कलायत थाना प्रबंधक बलबीर सिंह के निर्देश पर डायल 112 व अन्य पुलिस टीमों ने व्यवस्था को संभाला। क्षतिग्रस्त वाहनों को सडक के बीच से हटाते हुए घायलों को संभाला गया। शनिवार को जम्मू-कटरा एक्सप्रेस वे पर भी दुर्घटना हुई। इसमें दिल्ली से अमृतसर की तरफ जा रहा एक ट्रक अचानक बीच सड़क पलट गया। वाहन में चालक सहित तीन लोग फंस गए। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची थी।

मेडिकल भत्ता 3000 किया जाए

जींद। पुलिस कर्मचारी एसो की बैठक पुलिस लाइन में प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन मिया सिंह ने किया। बैठक में पुलिस व अन्य सहशस्त्र बलों के डयूटी के दौरान हुए बलिदानियों को दो मिनट का मोन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। मांग कि पुरानी पेंशन लागू की जाए। सरकार द्वारा कैशलेस मेडिकल सुविधा का पत्र जारी कर अमलीजामा दिया जाए ताकि सरकार द्वारा की गई घोषणाएं सिर्फ घोषणाएं न रह जाए। पेंशनरों की उम्र 65, 70, 75 होने पर 10, 15, 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की जाए जैसा कि अन्य राज्यों मे लागू है। मेडिकल भत्ता एक हजार से बढा कर तीन हजार किया जाए। क्योंकि बड़ी उम्र में दवाइयों पर ज्यादा खर्च आता है। आज के इस दौर में हर कर्मचारी एवं रिटायरी के परिवार से कोई न कोई इलाजरत रहता ही है।

योजना | विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया

विद्यार्थियों के लिए शिक्षा विभाग द्वारा मुफ्त पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जाती हैं

बालवाटिका 3 से कक्षा 8वीं के छात्रों के लिए पाठ्य पुस्तकों का मांगा ब्योरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

बालवाटिका 3 से कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पाठ्यपुस्तकों की मांग बारे विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया है। निदेशालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार निर्देश दिए गए हैं कि बालवाटिका 3 से कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा विभाग द्वारा मुफ्त पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक वर्ष की तरह आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए भी बालवाटिका 3 से कक्षा आठवीं के लिए पाठ्यपुस्तकों की डिमांड के आधार पर सप्लाई की जानी है। यह कार्य गत वर्ष की भांति ऑनलाइन माध्यम से किया जाना हैए ताकि डिमांड सीधे डीईईओ के माध्यम से विभाग तक पहुंचे और समय रहते पाठ्यपुस्तकें विद्यार्थियों तक पहुंच सकें। पाठ्यपुस्तकों की डिमांड भरने के लिए विद्यालय के एमआइएस पोर्टल पर बनाया गया टेक्सट बुक डिमांड माड्यूल 12 दिसंबर को शाम पांच बजे से लेकर 18 दिसंबर को शाम पांच बजे तक खुला रहेगा। पाठ्य पुस्तक की डिमांड की जिम्मेदारी विद्यालय के मुखिया की होगी और मुखिया को ओटीपी के माध्यम से डिमांड को सत्यापित भी करना होगा। माडयूल में कक्षा दूसरी से पांचवीं तक की डिमांड पहले से भरी प्री फिल्ड आएगी अर्थात आज की एमआइएस इंरोलमेंट आगामी कक्षा में दर्शाई जाएगी। क्योंकि आज के विद्यार्थियों की संख्या आगामी सत्र में अगली कक्षा में होगी। उदाहरण के तौर पर यदि आज कक्षा दूसरी में 100 विद्यार्थी हैं तो वह कक्षा तीसरी की डिमांड में दर्शाए जाएंगे। विद्यालय द्वारा पाठ्यपुस्तकों की डिमांड मिडियम के अनुसार की जा सकती है। यदि किसी विद्यालय में दोनों माध्यम (हिंदी व अंग्रेजी) हैं तो पोर्टल पर बोथ मीडियम का विकल्प चुनते हुए डिमांड भरी जानी है। विद्यालय द्वारा डिमांड कक्षा की संख्या से ज्यादा नहीं भरी जा सकती है।

समय पर भेजी जाए डिमांड

एफएलएन जिला कोऑर्डिनेटर राजेश वशिष्ठ ने बताया कि एमआइएस पर टेक्सट बुक माड्यूल 12 दिसंबर को शाम पांच बजे से लेकर 18 दिसंबर तक शाम पांच बजे तक खुला रहेगा। ऐसे में विद्यालय मुखिया को चाहिए कि वे समय तरह डिमांड भेजे ताकि आगामी सत्र में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। बालवाटिका 3 से लेकर आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आगामी सत्र 2026-27 के लिए पुस्तकों की डिमांड विद्यालय शिक्षा निदेशालय द्वारा मांगी गई है।

केवल एक ही बार दुरूस्त

विद्यालय मुखियाओं को डिमांड भरते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि विद्यालय का मीडियम सही है। यदि विद्यालय मीडियम गलत हो जाता है तो इसे विद्यालय स्तर पर एडिट नहीं किया जा सकेगा। निदेशालय ने विद्यालय मुखियाओं से कहा कि पाठ्यपुस्तकों की डिमांड की संख्या (विद्यालय में नामांकन के आधार पर) सही भरें। यदि पाठ्यपुस्तकों की डिमांड गलत भरी जाती है तो केवल एक ही बार दुरूस्त कर सकते हैं।

त्रुटि पर मुखिया होगा जिम्मेदार

निदेशालय ने पत्र में निर्देश दिए हैं कि विद्यालय द्वारा भेजी गई डिमांड में किसी भी प्रकार की गलती त्रुटि के लिए संबंधित विद्यालय मुखिया स्वयं जिम्मेदार होंगे। यदि दिए गए समय में विद्यालय मुखिया द्वारा डिमांड को सत्यापित नहीं किया जाता तो डिमांड को शून्य समझा जाएगा और संबंधित विद्यालय मुखिया अनुशासनिक कार्रवाई के पात्र होंगे। किसी भी तकनीकी या अन्य समस्या के लिए लिए एमआइएस हेल्पलाइन 0172-5049801 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा विद्यालय की ई मेल के माध्यम से विभाग की ई मेल पर रिक्वेस्ट भेज सकते हैं।

अगले साल भी बरकरार रह सकती है गोल्ड की चमक

इस साल 67% से अधिक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल

निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प लेकिन रणनीति बनाना जरूरी

सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर करें निवेश

चालू वर्ष में असाधारण रूप से रिटर्न दिया

10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण 'वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67% का रिटर्न दिया है। जानाकारों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत प्रति दस ग्राम 5 से 16% 0 और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 'चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है।

काफी बेहतर प्रदर्शन

भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।' 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया

यह भी कारक

वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों की मांग ने सोने की कीमतों में तेजी को और बढ़ावा दिया है।' अगले साल के परिदृश्य के बारे में कहा जा रहा है कि 'यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती हैं।

क्या कहते हैं जानकार

जानकारों का कहना है कि 'हमारा अनुमान है कि आने वाले वर्ष में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, क्योंकि जिन कारणों ने इस साल कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उनके अगले वर्ष भी जारी रहने की संभावना है।' मौजूदा हालात सोने में निवेश के लिए अनुकूल हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो अपने निवेश में विविधता और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सोने में निवेश को जोखिम के बचाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एकमात्र निवेश विकल्प के रूप में। निवेश का लगभग पांच प्रतिशत से 10 प्रतिशत कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में निवेश होना चाहिए। सोने और चांदी में निवेश जोखिम के आधार पर होना चाहिए। 'चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं (वर्तमान में लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस), इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश महत्वपूर्ण है। आगे की वृद्धि भू-राजनीतिक जोखिमों और मुद्रास्फीति की चिंताओं पर निर्भर है। सुरक्षित निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में आठ से 12 प्रतिशत का हिस्सा सोने में होना उपयुक्त है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

वर्तमान समय में सबसे अच्छा तरीका यह है कि गोल्ड ईटीएफ में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें या कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की गिरावट पर अतिरिक्त हिस्सेदारी जोड़ें। अब तक हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एकमुश्त निवेश के बजाय एसआईपी (व्यवस्थित निवेश योजना)/ एसटीपी (व्यवस्थित हस्तांतरण योजना) के जरिए निवेश करना बेहतर होगा। 'वर्तमान परिवेश में, गोल्ड ईटीएफ निवेश का पसंदीदा तरीका है, क्योंकि ये खरीद-बिक्री के लिहाज से सुगम हैं। साथ ही भौतिक रूप से सोना रखने के उलट, इसके रख-रखाव या सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। पारंपरिक जरूरतों के लिए, खासकर भारत में, जहां शादी, त्योहारों और पारिवारिक अवसरों में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भौतिक सोने में थोड़ा सा हिस्सा रखना पूरी तरह से उचित है। 'हालांकि, पूंजी सृजन के मकसद से सोने के आवंटन का अधिकांश हिस्सा ईटीएफ के माध्यम से बनाए रखना सबसे अच्छा है।

एक जनवरी से पहले निपटा लें ये चार जरूरी काम

- टैक्स और कानूनी झंझट से बचने के लिए भर दे आईटीआर
- करदाताओं के लिए अपने पैन को आधार से लिंक करना जरूरी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी कानूनी झंझटों से मुक्ति चाहते हैं तो एक जनवरी से पहले कुछ जरूरी काम निपटा लें, वरना बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं वे जरूरी काम जिन्हें इसी महीने में निपटाना बेहद जरूरी है। दिसंबर 2025 में करदाताओं के लिए चार जरूरी वित्तीय डेडलाइन, जिन्हें समय पर पूरा करना बचाएगा जुर्माने और कानूनी परेशानियों से। वित्त वर्ष 2025 अपने आखिरी चरण में है और करदाताओं के लिए दिसंबर कई अहम डेडलाइन लेकर आया है। अगर ये काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो आपको आर्थिक नुकसान और दस्तावेजों की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बिलेटेड आईटीआर फाइलिंग का अंतिम मौका

अगर आप वित्त वर्ष 2024-25 का आईटीआर समय पर नहीं जमा कर पाए हैं, तो 31 दिसंबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ इसे फाइल किया जा सकता है। 5 लाख रुपये तक की आय पर 1,000 रुपये और 5 लाख रुपये या उससे अधिक आय पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। 31 दिसंबर के बाद यह अवसर खत्म हो जाएगा। इसलिए इस पर ध्यान दें और अपनी आईटीआर जमा करवा दें।

पैन -आधार लिंकिंग

सभी करदाताओं के लिए अपने पैन को भी आधार से लिंक करना बेहद अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 ही है। अगर इस दौरान आप लिंकिंग नहीं करवा पाए तो आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। इससे आपका पैन- कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा और बैंक खाता या निवेश से जुड़े सभी काम प्रभावित हो सकते हैं। इसे इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जल्द पूरा करें। वरना आपको पछतान पड़ेगा और काम प्रभावित होंगे। इसलिए समय रहते अपने पैन को आधार के लिंक जरूर करवा लें।

एडवांस टैक्स की अंतिम किस्त

जिन करदाताओं की अनुमानित कर देनदारी 10,000 रुपये से अधिक है, उन्हें 15 दिसंबर 2025 तक चौथी और अंतिम एडवांस टैक्स किस्त जमा करनी होगी। समय पर भुगतान न करने पर ब्याज और जुर्माना लग सकता है। अगर आप भी इस श्रेणी में आते हैं तो आपको भी यह काम समय रहते पूरा कर लेना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। इसलिए अपनी किस्त समय से जमा करवा दें और परेशानी से मुक्ति पा लें।

ऑडिटेड आईटीआर की फाइलिंग

टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर 2025 है। इसे समय पर जमा करना जरूरी है, ताकि रिटर्न लेट न माना जाए और कानूनी परेशानियों से बचा जा सके। इसलिए 31 दिसंबर की तारिख आप सभी के लिए काफी है। इससे पहले की अपने जरूरी काम पूरे कर लें और परिशानियों का बाय बाय कर दे। अगर समय रहते ये काम पूरे नहीं कर पाएंगे तो आपको कानूनी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है और आर्थिक रूप से जो नुकसान होगा वह अलग। समय रहते ये चार काम निपटा लेंगे तो जुर्माने से भी बच जाएंगे और आप खुद को तनाव मुक्त भी महसूस करेंगे।

पहली-पहली लगी है नौकरी तो निवेश को दें पहली प्राथमिकता

कई जगह निवेश कर बनाएं भविष्य सुरक्षित, युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड कर सकते हैं तैयार

अगर आपकी भी पहली नौकरी लगी है और सैलरी आ गई है तो ध्यान दें। पूरी सैलरी को महज मौज मस्ती के लिए खर्च न करें। इसमें से कुछ हिस्सा बचत करें यानी निवेश करें। इससे आपको भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। अपनी सैलरी का कुछ हिस्सा कई जगह निवेश करें। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन की तलाश करें और पैसा बचाएं। इससे आपको कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगी। रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ निवेश के ऑप्शन के बारे में जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। यह मजबूती आपके परिवार और बच्चों के लिए बेहद अहम होगी। जिन लोगों की पहली नौकरी लगी है, उन लोगों को यहां जरूर निवेश करना चाहिए।

निवेश के लिए सुरक्षित ऑप्शन

पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को निवेश जरूर करना चाहिए। खासकर युवा लोगों को निवेश को जरूर प्राथमिकता देनी चाहिए और अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा बचाकर एक अच्छी स्कीम में जरूर निवेश करना चाहिए। अगर आप एक युवा हैं और आपकी पहली नौकरी लगी है और आप निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन चुने और रणनीति बनाकर निवेश करें। अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे बढ़ते जाएं। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर अपने भविष्य के लिए काफी अच्छा फंड बना सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

अगर आप एक युवा हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड एसआईपी को जरूर शामिल करना चाहिए। यहां आप हर महीने केवल 500 रुपये एसआईपी शुरू कर सकते हैं और इसे लंबे समय तक जारी रख सकते हैं। लंबे समय में म्यूचुअल फंड एसआईपी में आपको काफी अच्छा रिटर्न मिल सकता है, जो आपके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम भी काफी लोकप्रिय सरकारी स्कीम है, जहां निवेशक थोड़े थोड़े निवेश के साथ अच्छा फंड बना सकते हैं। पीपीएफ में आपको सालाना 15 सालों तक निवेश करना होगा। यहां आपको 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। यह भी निवेश का बेहतर विकल्प है। यह युवाओं के बीच काफी लोप्रिय है। इसलिए पीपीएफ में निवेश का विकल्प भी युवा चुन सकते हैं।

एफडी और आरडी

सुरक्षित निवेश के लिए आपको अपनी कुछ सेविंग्स को बैंक एफडी में भी जरूर निवेश करना चाहिएद्ध इसके अलाना रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं, और एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न पा सकते हैं। हालांकि इसमें रिटर्न बेहद कम मिलता है, लेकिन निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प है। अपने निवेश के पोर्टफोलियो में गोल्ड को भी थोड़ी जगह दें और यहां पर भी अपने पैसों को जरूर निवेश करें। गोल्ड में निवेश करने के लिए आप डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना बना देगी आर्थिक रूप से कमजोर

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी भी बढ़ाती है परेशानी

छोटे-छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें, वरना बढ़ सकता है आर्थिक संकट रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से पैसा कर देती हैं कम

अगर आप भी अपना आर्थिक संकट नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो अपने छोटे छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें। वरना ये आपकी बड़ी परेशानी बढ़ा सकते हैं। मसलन बाजार में ऑफर और सस्ती चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। जो आपके जरूरत की चीजें हैं सिर्फ उन्हें ही खरीदें और मस्ती से जीवन व्यतीत करें। कई बार देखने में आता है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से आपका पैसा कम कर देती हैं। रोजाना के खर्च, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी, बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना आपके भविष्य को कमजोर कर सकते हैं। जागरूकता और सही कदम आपकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि पैसों की समस्या बड़ी गलती, अचानक खर्च, नौकरी छूटना या गलत निवेश की वजह से होती है, लेकिन सच यह है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें आपके पैसे को धीरे-धीरे कम कर देती हैं। ये आदतें छोटी लगती हैं, कभी-कभी अनजाने में होती हैं और समय के साथ बचत को कमजोर कर देती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ आदतें जो आपको नुकसान पहुंचा सकती हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है। इनको सुधारकर आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार सकते हैं और अनावश्यक खर्चे से भी बच सकते हैं।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज करना

छोटे-छोटे खर्च, जैसे हर दिन की कॉफी, नाश्ता या मोबाइल ऐप सब्सक्रिप्शन, अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, लेकिन अगर इन्हें जोड़ा जाए तो यह महीने के अंत में एक बड़ी रकम बन जाती है। इसलिए अपने खर्चों को एक हफ्ते तक नोट करें और देखें कि आपका पैसा कहां जा रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि आपको अपनी पसंदीदा चीज़ें छोड़नी हैं, बल्कि आप जागरूक होकर सोच-समझकर खर्च करें। इसके बाद जब आप माह के अंत में देखेंगे तो आपको बड़ी राहत मिलेगी।

बचत बाद में करना

कई लोग सोचते हैं कि महीने के आखिर में बचत करेंगे, जो बचेगा वही बचत होगा। अक्सर आखिरी में कुछ भी नहीं बचता। सही तरीका यह है कि पहले बचत करें और फिर खर्च करें। अपने अकाउंट से वेतन मिलने के तुरंत बाद ही बचत या इन्वेस्टमेंट अकाउंट में कुछ पैसा डाल दें। यदि आप अपनी इनकम का 10%-15% नियमित रूप से बचाते हैं, तो समय के साथ यह एक बड़ा फंड बन जाएगा। जितनी जल्दी आप शुरू करेंगे, उतना ही आसान आपका भविष्य होगा। इसलिए शुरआत से ही बचत पर ध्यान दें।

बीमा व आपातकालीन योजना

कई लोग सोचते हैं कि जीवन बीमा या स्वास्थ्य बीमा लेना बाद में भी किया जा सकता है, लेकिन एक छोटा अस्पताल का बिल या अचानक हादसा आपकी सारी बचत मिटा सकता है। जीवन बीमा आपके परिवार की सुरक्षा करता है और स्वास्थ्य बीमा अस्पताल के खर्चों से बचाता है। यह छोटे-छोटे मंथली प्रीमियम आपके भविष्य की सुरक्षा में बहुत मदद करते हैं।

अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा जरूर करें

पैसे की आदतों को केवल सही तरीके से खर्च और बचत करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि इन्हें समय-समय पर देखना भी जरूरी है। हर महीने कुछ घंटे अपने बैंक स्टेटमेंट, बीमा और निवेश की समीक्षा में बिताएं। इससे आप फालतू खर्च पकड़ पाएंगे, अपने लक्ष्यों को सही दिशा में रख पाएंगे और अपने वित्तीय भविष्य पर भरोसा कर पाएंगे। आपके रोजमर्रा के फैसले आपके पैसे और भविष्य को प्रभावित करते हैं। कुछ छोटी-छोटी गलत आदतें धीरे-धीरे आपकी जेब खाली कर देती हैं, जबकि सही आदतें आपके भविष्य को मजबूत और सुरक्षित बनाती हैं। इससे आपको पैसे संबंधी परकशानी होगी और आपका निवेश भी बढ़ता जाएगा। इसलिए निवेश पर जरूर फोकस करें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना आसान होता है, इसलिए हम छोटे खर्च भी कार्ड से कर लेते हैं। इससे खर्च का एहसास कम होता है। सही तरीका यह है कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल केवल जरूरी और योजना बनाकर करें और हर महीने पूरा बिल चुका दें। इससे आप बिना कर्ज के शांति महसूस करेंगे और फालतू ब्याज नहीं चुकाएंगे। अगर क्रेडिट कार्ड के बिन का समय पर भुगतान नहीं कर पाएं तो भारी भरकम ब्याज आपके बजट को बिगाड़ सकता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड के खर्च पर ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है।

यह रखें ध्यान

किसी पर परिस्थिति में दूसरे की चीजों देखकर रीस न करें। अपना बजट बनाकर चलेंगे तो हमेशा खुश और आर्थिक रूप से मजबूत रहेंगे। बाजार में जाएं तो ऑफर्स को देखकर चीजें न खरीदें अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदे। इससे आप गैरजरूरी खर्चों से मुक्ति पा लेंगे और आपकी बचत भी बढ़िया होगी।

सिल्वर ईटीएफ ने कराई जबरदस्त कमाई, 11 माह में दिया 100% से ज्यादा रिटर्न

सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

इस साल सिर्फ फिजिकल चांदी ही नहीं, बल्कि सिल्वर ईटीएफ ने भी निवेशकों की जबरदस्त कमाई करवाई है। सिल्वर ईटीएफ ने इस साल अब तक यानी करीब 11 महीने में ही 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशक सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए या निवेश जारी रखना चाहिए। सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है और स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार करता है। इसमें फिजिकल चांदी खरीदने की जरूरत नहीं होती। निवेशक ट्रेडिंग अकाउंट के जरिए इसकी यूनिट खरीद और बेच सकते हैं। यह भौतिक चांदी की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशक बिना चांदी खरीदे, उसके दाम बढ़ने का फायदा उठा सकते हैं। यह 99.9% शुद्ध चांदी में निवेश करता है और डीमैट खाते के ज़रिए शेयरों की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है, जो सुरक्षा और स्टोरेज की झंझट से बचाता है।

स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार भी करता है

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ हैं, जिन्होंने इस अवधि में औसतन 98.51% का रिटर्न दिया है। इन 21 फंडों में से 10 ने साल 2025 में अब तक 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक सबसे ज्यादा 100.89% का रिटर्न दिया है। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रू सिल्वर ईटीएफ का नंबर आता है, जिसने 100.72% का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और एसबीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक क्रमशः 100.29% और 100.04% का रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने इस अवधि में 99.98% का रिटर्न दिया है। एक्सिस सिल्वर एफओएफ और टाटा सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने इसी अवधि में क्रमशः 94.38% और 92.52% का रिटर्न दिया है।

क्यों आई तेजी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में चांदी में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ मजबूत औद्योगिक मांग (इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, सोलर पैनल आदि के लिए) भी है। इसके साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की ठोस खरीदारी और त्योहारी मांग ने कीमतों में और तेजी ला दी। एक्सपर्ट के अनुसार इस साल की शुरुआत में ईवी, सोलर पैनल, ग्रीन ट्रांजिशन और वैश्विक विद्युतीकरण को लेकर आशावाद ने लगातार औद्योगिक मांग की उम्मीदों को बढ़ाया। वैश्विक निवेशकों ने ब्याज दरों में कटौती, कम वास्तविक यील्ड और कमजोर डॉलर की उम्मीदों के बीच चांदी ईटीएफ में पैसा लगाया, जिससे यह तेजी और बढ़ गई।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर चांदी में आपका निवेश आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना ठीक रहेगा, लेकिन अगर आप 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना चाहते हैं, तो यह अभी भी फायदेमंद है। अगर चांदी में आपका निवेश आपके पोर्टफोलियो में तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना सही है। वहीं 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना अभी भी फायदेमंद है।

यह कैसे काम करता है

सिल्वर ईटीएफ फंड कुल संपत्ति का कम से कम 95% हिस्सा 99.9% या उससे ज़्यादा शुद्ध चांदी या चांदी से जुड़े डेरिवेटिव्स में निवेश करता है। आप इसे स्टॉक की तरह ब्रोकरेज अकाउंट के ज़रिए खरीद और बेच सकते हैं, जिससे यह आसान और तरल हो जाता है। इसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) चांदी की कीमत के साथ ऊपर-नीचे होता है।

मुख्य लाभ

भौतिक चांदी खरीदने, रखने और उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं होती। यह सोने और चांदी के माध्यम से आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद करता है। और कम पैसों (जैसे 500 रुपये) से भी एसआईपी के ज़रिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

ऐसे करें निवेश

- ब्रोकर के साथ डीमैट और ट्रेडिंग खाता : किसी भी ब्रोकर के पास खाता खोलें जो ईटीएफ में निवेश की सुविधा देता हो।
- सही सिल्वर ईटीएफ चुनें: अपनी ज़रूरत के हिसाब से जैसे निप्पॉन, कोटक, आईसीआईसीआई आदि के सिल्वर ईटीएफ चुनें।
- खरीदें : स्टॉक की तरह अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सिल्वर ईटीएफ के यूनिट्स खरीदें।

खबर संक्षेप

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कॉलेज में लगाए पौधे

जींद। राजकीय महाविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। महाविद्यालय अध्यक्ष श्रीकांत शर्मा ने बताया कि एक व्यक्ति जन्म से ले के मृत्यु तक लगभग पूरे एक पेड़ का इस्तेमाल करता है लेकिन प्रकृति को कुछ नही देकर जाता है। जब एक मनुष्य पैदा होता है, वो लकड़ी के पालने में झूल कर ओर लकड़ियों से बने खिलौनों से खेलता है।

वुमन हॉस्टल में आवास के लिए आवेदन आमंत्रित

जींद। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने बताया कि जिला रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा सफीदों रोड स्थित सरकारी वर्किंग वुमन हॉस्टल जींद में कार्यरत महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं किफायती आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह हॉस्टल कार्यरत महिलाओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक आवासीय वातावरण उपलब्ध कराने के लिए स्थापित किया गया है।

इलाज करवाने आए युवक पर हमला

जींद। गांव रुपगढ़ में मंदिर की चहारदीवारी निर्माण को लेकर हुए झगड़े में अपने पिता का नागरिक अस्पताल में उपचार करवाने आए युवक पर हमला करने के आरोप में सिविल लाइन थाना पुलिस ने 15 युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने किया बैठक का आयोजन

नरवाना। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा खंड नरवाना की मीटिंग खंड प्रधान बलजीत सिंह की अध्यक्षता में शहीद भगत सिंह अध्ययन केंद्र नरवाना में हुई जिस का संचालन खंड सचिव हरियाणा सिंह ने किया। बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए जिला प्रैस सचिव माण सतबीर सिंह ने बताया कि आगामी 17 दिसम्बर को रिटायर्ड कर्मचारी जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन करते राज्यपाल के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजेंगे।

महारैली में हरियाणा से भारी संख्या में लोग पहुंचेंगे

उचाना। राष्ट्रीय महासचिव किसान कांग्रेस एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी मनोज नचार ने कहा कि एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली करने जा रही है। महारैली में हरियाणा से भारी संख्या में लोग पहुंचेंगे। आज आमजन में चर्चा है कि चुनाव आयोग ने सत्ता के इशारे पर पूरी चुनावी प्रक्रिया की गरिमा को ताक पर रख दिया है। इसलिए लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता की आवाज को हमें बुलंद रखना है।

स्कूल में भावनात्मक पीटीएम का आयोजन

राजौंद। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जाखौली में विद्यालय स्तर पर आयोजित अभिभावक शिक्षक बैठक प्रधानाचार्य ओ पी शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान शिक्षकों और अभिभावकों ने मिलकर बच्चों की शैक्षणिक प्रगति के साथ साथ उनके संस्कार आत्मविश्वास और भावनात्मक मजबूती पर भी खुलकर चर्चा की।

विद्यालय में पुनर्मिलन कार्यक्रम का आयोजन

राजौंद। सत्य भारती स्कूल कड़ोड़ा में पुनर्मिलन का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसमें बच्चों ने स्कूल से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा किया। स्कूल की मुख्य अध्यापिका सुमन देवी ने स्कूल में आए बच्चों से विभिन्न प्रकार की एक्टिविटी और गेम करवाए गए।

वर्ष 2025 की अंतिम पौष अमावस्या 19 दिसंबर को

जींद। वर्ष 2025 की अंतिम पौष अमावस्या 19 दिसंबर शुक्रवार को मनाई जाएगी। इस दिन उदयातिथि के अनुसार स्नान, दान और पितरों के तर्पण के लिए शुभ है। 19 को पड़ने वाली यह अमावस्या न सिर्फ धार्मिक मान्यताओं से समृद्ध है बल्कि इसे छोटा पितृ पक्ष भी कहा जाता है। जिसके कारण इसका महत्व कई गुणा बढ़ जाता है। शास्त्रों के अनुसार इस तिथि पर किया स्नान, दान, तर्पण और पितर पूजा सात जन्मों तक शुभ फल प्रदान करती है।

सुप्रीम स्कूल के वार्षिक खेल उत्सव का समापन

पढ़ाई के साथ खेलों का संतुलन सफलता की कुंजी

विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया

नर्सरी से पांच तक के छात्रों ने खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

एकता नगर स्थित सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित वार्षिक खेल उत्सव का समापन शनिवार को उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। समारोह का शुभारंभ परंपरानुसार दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। जिसे वीरेंद्र अत्री द्वारा संपन्न किया गया। पिछले पखवाड़े से चल रही संयुक्त खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लेते हुए उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया। उत्सव के प्रथम दिन नर्सरी से कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जबकि दूसरे दिन कक्षा छह से 12 तक के छात्र व छात्राओं ने अनेक खेल मुकाबलों में अपनी प्रतिभाएं कौशल एवं अनुशासन का प्रदर्शन किया। खेल प्रतियोगिताओं का औपचारिक उद्घाटन बलवान कौशिक ने किया। उन्होंने

जींद। प्रतियोगिता के समापन पर स्कूल स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

विद्यार्थियों की खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि खेल बच्चों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास करते हैं। विजयी प्रतिभागियों को शरत अत्री द्वारा पदक प्रदान किए गए। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नही बल्कि जीवन को बेहतर ढंग से जीने की कला सिखाते हैं। इस अवसर पर सुरेंद्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि नियमित खेल अभ्यास से शारीरिक सुदृढ़ता के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी विकसित होती है। जो विद्यार्थियों को जीवन की हर चुनौती के लिए तैयार करती है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष महत्व है। बदलते समय के साथ खेलों में अनेक सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं और योग व अन्य शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से इनका स्वरूप और अधिक प्रभावी हुआ है। उन्होंने कहा कि खेल जीवनभर अनुशासन, एकाग्रता, टीमवर्क और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देते हैं। समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह, पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सदस्य, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकास ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में टीमवर्क, अनुशासन और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं तथा पढ़ाई के साथ खेलों का संतुलन ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम में रजनीश जैन ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेलकूद गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम हैं। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि आत्मविश्वास, धैर्य और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करते हैं। उन्होंने छात्राओं को विशेष रूप से खेलों में आगे बढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

कैथल की जनता हमारा परिवार: नवीन

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल की पुत्री यशस्विनी जिन्दल व शाश्वत सोमानी के विवाह के उपलक्ष्य में कैथल में रिसेप्शन कार्यक्रम रखा गया। इसमें जिन्दल परिवार की ओर से सांसद नवीन जिन्दल की माता पूर्व मंत्री व हिसार की मौजूदा विधायक सावित्री जिन्दल, शालू जिन्दल और सांसद नवीन जिन्दल ने समारोह में लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जिन्दल परिवार से जुड़े लोगों, भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्र वासियों ने पहुंचकर जिन्दल परिवार को बधाई दी। सांसद नवीन जिन्दल ने सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि कैथल उनका अपना परिवार है और परिवार मिलकर आपस में अपनी खुशियां बांटे। इसलिए यह कार्यक्रम रखा गया है। इस अवसर पर हजारों लोगों के लिए जो व्यंजन तैयार किए गए।

कैथल। बेटी की शादी पर सांसद नवीन जिंदल को बधाई देते पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा तथा पूर्व विधायक लीला राम। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कैथल भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, विधायक आदित्य सुरजेवाला, देवेंद्र हंस विधायक, कमलेश ढांडा पूर्वमंत्री, पूर्व विधायक लीलाराम गुर्जर, तेजवीर सिंह पूर्व विधायक, कर्मवीर कौल, अशोक गुर्जर, मनीष कठवाड़, सुभाष हजवाना, अनीता ढुल्ल, प्रीतम कोलेखां सतविंदर राणा, जगमाल राणा, मांगेराम जिंदल, शमशेर सैनी, लाभ सिंह जांबा सरपंच, विजेंद्र मेहला, प्रदीप शर्मा, सतबीर भाणा आदि उपस्थित हुए।

साल में दो बार लगता है खरमास: भारतेंदु शास्त्री

उचाना। लाला प्रभुदयाल चौधरी धर्मशाला स्थित शहर के प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर पुजारी भारतेंदु शास्त्री ने कहा कि हर वर्ष में दो बार खरमास लगता है। जिसको मलमास भी कहा जाता है। जब सूर्य धनु राशि में प्रवेश करता है उस समय को खरमास कहा जाता है। यही कारण है इस अवधि में कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। यह समय धार्मिक साधना के लिए सर्वोत्तम माना गया। पंचांग के अनुसार खरमास इस बार 16 दिसंबर से शुरू होगा। 14 जनवरी को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही खरमास की समाप्ति हो जाएगी। इस समय कुछ कार्यों को करने में सावधानी रखनी चाहिए। शास्त्री ने कहा कि खरमास के दौरान शादी या रिश्ते तय करने से बचना चाहिएए इस समय विवाह शुरू करने पर दांपत्य जीवन में समस्याएं और मानसिक तनाव की संभावना बढ़ सकती है। नए घर में प्रवेश या मकान बदलने के लिए बहुत ही अशुभ महीना माना गया हैए इससे घर की सुख.समृद्धि प्रभावित होती है। व्यापार या बिजनेस शुरू करना उचित नहीं माना जाता हैए ऐसा करने से आर्थिक अड़चनें और नुकसान की आशंका अधिक रहती है। साल 2026 में सभी शुभ काम 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। इस समय कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होगा। दरअसल दिसंबर में शुक्र अस्त होंगे। 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने से खरमास की शुरुआत हो जाएगी एवं शुक्र के अस्त होने का प्रभाव 31 जनवरी तक रहेगा मांगलिक कार्यों की शुरुआत पुनरू फरवरी माह से होगी।

भाइचारे में निकलवा लिया ट्रैक्टर, बाद में बंद कर दी किश्त भरनी

जींद। सिविल लाइन थाना पुलिस ने फर्जी कागजात तैयार करवा कर ट्रैक्टर को दूसरे को बेचने पर एक व्यक्ति को नामजद कर दो-तीन अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव पपोसा निवासी अमन ने सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके ही साथी सिक्कू ने उसके नाम पर ट्रैक्टर निकलवाने की बात कही। आरोपित ने कहा कि वह ट्रैक्टर की किश्त जमा करवाता रहेगा लेकिन यह नाम अमन के ही रहेगा। अमन ने 26 नवंबर 2024 को जींद की एक एजेंसी से अपने नाम से नया ट्रैक्टर निकलवा लिया। इसके बाद इस ट्रैक्टर का प्रयोग सिक्कू करने लगा। सिक्कू ने एक भी किश्त जमा नही की। जब अमन ने उसे किश्त जमा करवाने को कहा तो वह टाल मटोल करने लगा। कुछ समय बाद सिक्कू ने उस ट्रैक्टर के चैसिस व इंजन नंबर के फर्जी कागजात तैयार करवा लिए और दूसरे को बेच दिया। इस फर्जी कार्य में कुछ और सिक्कू के साथियों ने उसका साथ दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 10406 केस निपटाए

जींद। जिला मुख्यालय में स्थित न्यायिक परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत कार्यक्रम की देखरेख जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम चेयरपर्सन पूनम सुनेजा ने की। सीजेएम मोनिका ने बताया कि लोक अदालत में कुल 12136 मामले रखे गए। इनमें से 10406 मामलों का मौके पर ही निपटा किया गया। इसमें तीन करोड़ 47 लाख 47595 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया। लोक अदालत में कई तरह के मामले रखे गए। सीजेएम मोनिका ने बताया कि लोक अदालत में मोटरव्हीकल दुर्घटना से संबंधित 26 मामले, परी लिटिगेटिव बैंक लोन से संबंधित 109 मामलों का निपटान किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने कहा कि लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों को उठाना चाहिए। क्योंकि लोक अदालत के मामले का निपटारा आपसी सहमति से होता है। जिस समय वह धन की बचत होती है व आपसी सौहार्द भी बना रहता है।

जींद। मामलो का निपटान करते हुए अदालत। फोटो : हरिभूमि

जींद। उचाना कलां के राजकीय स्कूल में आयोजित परीक्षा।

नवादेय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन

उचाना। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचाना कलां में जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह परीक्षा कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित की गई जिसे विद्यालय प्रशासन द्वारा सुचारु, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया गया। परीक्षा के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी उचाना रणपाल सिंह श्योकंद ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा संचालन, अनुशासन एवं अन्य व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। विद्यालय स्टाफ के सहयोग से परीक्षा बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

जेसीआई का मोक्ष वाहिनी समर्पण कार्यक्रम आज

जींद। जेसीआई जींद एवं जेसीआई जींद इंडस के संयुक्त तत्वावधान में जींद वासियों के लिए एक मोक्ष वाहिनी उपलब्ध करवाई जा रही है। इस मोक्ष वाहिनी का समर्पण समारोह रविवार को सायं चार बजे राजकीय महिला कालेज जींद में आयोजित होगा। अवसर पर एक भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें मुख्य भजन गायक के रूप में प्रसिद्ध भजन गायक दिनेश पथिक अपनी प्रस्तुति देंगे। इस कार्यक्रम के शहर में निमंत्रण पत्र बांटे जा रहे है। इसी कड़ी में शनिवार को अग्रवाल समाज के प्रधान एवं प्रमुख समाजसेवी राजकुमार गोयल को भी कार्यक्रम का न्योता दिया गया। जेसीआई जींद के अध्यक्ष नवीन गोस्वामी व कोषाध्यक्ष आशु सिंगला ने बताया कि यह पहल समाज सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे शहर की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा मुख्यअतिथि होंगे।

जींद। राजकुमार गोयल को निमंत्रण देते जेसीआई के पदाधिकारी।

जींद। बच्चों को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो :हरिभूमि

छात्रों के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास का नाम शिक्षा : नड्डा

जींद। विद्या भारती एवं हिंदू शिक्षा समिति से सम्बद्ध गोपाल विद्या मंदिर विद्यालय में प्रांत उपाध्याक्ष चेतराम शर्मा, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा, सचिव पंकज शर्मा सहित संगठन मंत्री विजय नड्डा का प्रवास रहा। वंदना सत्र में प्रधानाचार्य अजय कौशिक द्वारा अधिकारीगण के आतिथ्य सम्मान के पश्चात सभी आचार्य व छात्र भैया, बहनों को संबोधित करते हुए चेतराम ने समर्पण दिवस में निहित लक्ष्य को जानने के लिए प्रेरित किया। इसी दौरान नड्डा पूर्व छात्र, अभिभावक, बाल भारती, कक्षानायक, आचार्य व विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ विशेष वार्ता में शामिल हुए। सचिव पंकज शर्मा ने बाल भारती व कक्षानायकों से समर्पण के विषय पर विस्तृत चर्चा की। अभिभावक बैठक में नड्डा ने छात्र से अभिभावक तक सरस्वती पूजा में उपस्थित होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को सरस्वती पूजन पर एकत्रित धनराशि के पुण्य प्रयोग का पता होना चाहिए। अभिभावकों से छात्रों के सर्वांगीण विकास पर बल देते तथा विद्या भारती व हिंदू शिक्षा समिति के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए नड्डा ने कहा कि सरस्वती पूजन में छात्र अपने द्वारा एकत्रित धन का समर्पण करें।

जींद। अभिभावकों को संबोधित करते नरेश जागलान। फोटो :हरिभूमि

प्यार और धैर्य परवरिश की नींव : नरेश

जींद। लिटल रोज कॉन्वेंट स्कूल ईगराह में अभिभावकों के लिए विशेष वर्कशॉप परवरिश की पाठशाला का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य माता-पिता को आधुनिक पैरेंटिंग, बच्चों की मानसिक जरूरतों और स्वस्थ पारिवारिक संबंधों की समझ देना था। कार्यक्रम का संचालन मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान द्वारा किया गया। वर्कशॉप की शुरुआत बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को समझाने से हुई। उन्होंने बताया कि आज की परवरिश में सबसे महत्वपूर्ण बात है कि बच्चे सुनने से याद्रा देखकर सीखते हैं। इसलिए माता-पिता का अपना व्यवहार का अंदाज, समस्या हल करने की शैली और घर का वातावरण बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाता है। आज के समय में बच्चों को कई चुनौतियों प्रभावित कर रही है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, ध्यान की कमी, तुलना की वजह से आत्मविश्वास में गिरावट, भावनात्मक असुरक्षा, माता-पिता की अपेक्षाओं का दबाव आदि। इन चुनौतियों के समाधान के लिए अभिभावकों को कई व्यावहारिक और सरल पैरेंटिंग तकनीकें सिखाई गईं।

पेंशनर्स डीसी कार्यालय पर 17 को देंगे धरना

- वित्त विधेयक 2025 रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए घातक : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रेलवे स्टेशन पर रेलवे विभाग से सभी कैटेगरी के रिटायर्ड कर्मचारियों की व रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की संयुक्त बैठक कैशियर रेलवे वैलफेयर एसो बलबीर भारद्वाज की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मोदी सरकार द्वारा रिटायर्ड कर्मचारियों के वित्त विधेयक मार्च 2025 व आठवां वेतन आयोग में जो टम्र्स ऑफ रेफरेंस लागू किया गया है। जिस पर रिटायर्ड कर्मचारियों ने रोष जताया। उन्होंने कहा कि आज पूरे भारतवर्ष का केंद्रीय एवं राज्य रिटायर्ड कर्मचारी इस निर्णय से भयभीत हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में ऐसे कर्मचारी विरोधी फैसलों का एकजुट होकर विरोध किया जाएगा। पूरे भारतवर्ष में 17 दिसंबर को सभी जिला हेडक्वार्टर पर धरना व प्रदर्शन के माध्यम से सभी जिला उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में आह्वान किया गया कि 17 दिसंबर को धरने में उपायुक्त कार्यालय में सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक सभी साथी शामिल हों ताकि मोदी सरकार के जनविरोधी फैसलों का मुंह तोड़ जवाब दिया जा सके। बैठक में रेलवे वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी बलबीर राम शर्मा ने बताया कि वित्त विधेयक 2025 रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए बहुत ही घातक है।

जींद। बैठक को संबोधित करते हुए रिटायर्ड कर्मचारी नेता।

नरवाना। एसडी पब्लिक स्कूल में आयोजित इन हाऊस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले अध्यापक प्रिंसिपल अनिता मलिक के साथ। फोटो :हरिभूमि

इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नरवाना। एसडी पब्लिक स्कूल में 84 अध्यापकों को सीबीएसई द्वारा आयोजित इन हाऊस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत रिसोर्स पर्सन स्कूल प्राचार्या डा निशा पुंडीर एवं प्राचार्य डा कृष्ण पाल ने अध्यापकों को लैगिंक संवेदनशीलता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा से संबंधित विषय से अध्यापकों को जागरूक किया। डा कृष्ण पाल ने बताया कि किस तरह से हम नई शिक्षा नीति प्रणाली के द्वारा बच्चों को तनाव मुक्त तरीके से बच्चों को शिक्षा दे सकते हैं। हिंदी विषय से संबंधित वर्ण मात्राओं एवं शब्द उच्चारण जैसी महत्वपूर्ण बातें सांझा की। लैगिंक संवेनशीलता पर डा निशा ने समाज में महिलाओं और पुरूषों के बीच असमानता को लेकर खुलकर चर्चा की। इसके लिए अध्यापकों से भी सुझाव लिए गए।

गोशाला का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन

गोमाता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का निवास

सराहनीय कार्य के लिए सभी ने आभार व्यक्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

श्री गोकुलधाम गौ सेवा समिति जींद द्वारा प्रस्तावित साधुराम जिंदल गौ माता अस्पताल एवं विकलांग गोशाला का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। भूमि पूजन के मुख्य यजमान सरोज देवी एवं सुरेश जिंदल ने वैदिक मंत्रों के साथ भूमि पूजन किया। इसके बाद अस्पताल की नींव 101 ईंटों के द्वारा पूजा पाठ करके रखी। श्री गोकुलधाम गौ सेवा समिति जींद के मुख्य सेवक बिट्टू गोयल ने बताया कि मैं और अन्य सदस्य कई वर्षों से नंदीशाला में गौ माता के भोजन की प्रतिदिन व्यवस्था कर रहे थे तथा हमने गौमाता के सर्दी एवं गर्मी से बचाव के लिए एक बहुत बड़े शैड का निर्माण करवाया। परंतु जब कोई गौ माता या उसका बच्चा बीमार हो जाता था या विकलांग हो जाता था तब बहुत बड़ी समस्या आती थी कि गौमाता को इलाज के लिए हिसार लेकर जाना पड़ता था। अतः गौ माता की प्रेरणा से एक बीमार एवं विकलांग गौ के लिए मेरे द्वारा एक अस्पताल बनाने का विचार था। जिसके लिए सुरेश जिंदल ने जमीन इस अस्पताल के लिए दान में दी और कहा कि हॉस्पिटल के भवन निर्माण में भी मैं यथासंभव सहयोग करूंगा। उनके इस सराहनीय कार्य के लिए समिति एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने उनका बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया

जींद। कार्यक्रम में मौजूद मुख्य यजमान सरोज देवी एवं सुरेश जिंदल।

सुरेश जिंदल को किया सम्मानित

आज इस समारोह में बिट्टू गोयल एवं उनके धर्मपत्नी आशा गोयल ने भूमि दानकत्त सरोज देवी एवं सुरेश जिंदल को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। समारोह के अंदर शहर के बहुत से दानी सज्जनों ने अपनी यथाशक्ति अनुसार लाखों रुपये का बढ़चढ़ कर सहयोग किया। बिट्टू गोयल की इस नेक एवं पुण्य कार्य के लिए प्रशंसा की। इस अवसर पर बोलते हुए सुरेश जिंदल ने कहा कि यह दिन मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है कि मैं श्री कृष्ण भगवान की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से गौमाता जिसके बारे में कहा जाता है कि गौ माता में 33 करोड़ देवी देवता निवास करते हैं उनके इलाज के लिए बनने वाले हॉस्पिटल के अंदर मै भी अपना भूमि के रूप में कुछ सहयोग दे पाया। जिसे मैं अपना परम सौभाग्य मानता हूं। इस अस्पताल के निर्माण में नगर पार्षद संजय गोयल एवं विनोद जैन का अतुल्य सहयोग रहा है।

गुहला चीका। मिशन बुनियाद कार्यक्रम में अधिकारियों को सम्मानित करते आयोजक

ब्लॉक-स्तरीय कैंपेन सेमिनार

गुहला चीका। गुहला ब्लॉक के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल चीका में मिशन बुनियाद और हरियाणा सुपर 100 का ब्लॉक-स्तरीय कैंपेन सेमिनार सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें ब्लॉक के कुल 25 विद्यालयों ने सक्रिय भागीदारी की। इस सेमिनार में लगभग 120 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इसमें सभी स्कूलों के आठवीं और दसवीं में पढ़ने वाले तीन तीन टॉपर बच्चे भी शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी गुहला बलबीर कश्यप के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और मां सरस्वती को सभी स्टाफ सदस्यों सहित फूल अर्पण किए। तत्पश्चात मां सरस्वती वंदना के साथ प्रोग्राम की शुरुआत की गई। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चीका की छात्राओं द्वारा यह प्रस्तुति दी गई।

खबर संक्षेप

छात्रों ने दी नवोदय स्कूल में दाखिले के लिए परीक्षा

जुलाना । जुलाना कस्बे के पीएम श्री कन्या स्कूल में नवोदय स्कूल में में दाखिले के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा के लिए पांचवी कक्षा के 386 छात्रों ने आवेदन किया था। जिनमें से 339 छात्रों ने हिंदी माध्यम को चुना तो 47 छात्रों ने अंग्रेजी माध्यम को चुना। परीक्षा प्राचार्य सुनील सिंह नेहरा की देखरेख में संपन्न हुई। परीक्षा में जयप्रकाश जांगिड़ केंद्र पर्यवेक्षक नवोदय स्कूल, रंजीता सैनी सहायक केद्र पर्यवेक्षक नवोदय स्कूल, पिंकी कुंडू केंद्र अधिक्षक, सुभाष सैनी उप केंद्र अधीक्षक मौजूद रहे। परीक्षा का खंड शिक्षा अधिकारी रेनू शर्मा और सहायक सुरेंद्र ने निरीक्षण किया। जुलाना में केवल एक ही स्कूल में परीक्षा केंद्र बनाया गया था। जिसमें 386 छात्रों में से 82 अनुपस्थित रहे। 304 छात्रों ने परीक्षा दी। परीक्षा पूर्ण रूप से शांतिपूर्वक हुई। परीक्षा को लेकर पुलिस द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सुबह साढ़े 11 बजे परीक्षा शुरू हुई और डेढ़ बजे तक खत्म हुई। परीक्षा समाप्त होने पर छात्रों में खुशी का माहौल बना हुआ है। प्राचार्य सुनील सिंह नेहरा ने कहा कि परीक्षा पूर्ण रूप से शांतिपूर्वक हुई। परीक्षा को लेकर छात्रों और अभिभावकों में खुशी का माहौल बना हुआ है।

कैबिनेट मंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत ओम नम शिवाय के मंत्र से की

शिक्षा का प्रसार राष्ट्र निर्माण के लिए जरूरी : कृष्ण बेदी

शिक्षा से जीवन में मिलते हैं संस्कार विचार एवं अनुशासन के भाव

- बोले, नरवाना में तीर्थ का जीर्णोद्वार जल्द होगा

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह में कैबिनेट मंत्री ने की बतौर मुख्य अतिथि शिरकत

नरवाना। वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए स्कूल चेयरमैन रवि श्योकंद, डायरेक्टर प्रदीप नैन व अन्य। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावक व ग्रामीण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि शिक्षा का प्रसार सभ्य समाज एवं राष्ट्र निर्माण के लिए बहुत जरूरी है। अच्छी शिक्षा से व्यक्ति को जीवन में आगे बढने के अवसर ही नहीं मिलते बल्कि उसके व्यक्तित्व में अच्छे विचारए संस्कार तथा अनुशासन का भाव भी पैदा होता हैए जो प्रत्येक आदमी के जीवन में सफलता की रीढ़ है। लिहाजा अभिभावकों को जीवन में अन्य भौतिक संसाधनों पर खर्च करने की बजाय अपने बच्चों की शिक्षा पर मुख्य फोकस करना चाहिए। शिक्षा अनमोल रत्न एवं ऐसा आभूषण है जिससे व्यक्ति की जिंदगी हमेशा दीप्तिमान रहती है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार शाम को अपने पैतृक गांव कलौदा खुर्द में स्थित वेदांता इंटरनैशनल स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने अपने भाषण की शुरूआत ओम नम शिवाय के मंत्र से की और कहा कि शिव का नाम सृष्टि के लिए जैसे कल्याणकारी हैए आम समाज के कल्याण के लिए शिक्षा का प्रसार उतना ही जरूरी है। उन्होंने वेदांता इंटरनैशनल स्कूल के प्रबंधन की सराहना की और कहा कि शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र में वेदांता इंटरनैशनल स्कूल की स्थापना से शिक्षा प्रसार की नई जोत जगी है। उन्होंने कहा कि कलौदा सहित आसपास के अन्य गांवों में बच्चों को अच्छी शिक्षा सुनहरा अवसर इस स्कूल से मिला हैए वहीं गांव को भी नई पहचान मिली है। उन्होंने विद्यालय स्टाफ एवं शिक्षकों का आह्वान किया कि संस्कारए अनुशासन समय के प्रति समर्पण भाव जैसे विषयों पर प्राथमिक फोकस होना चाहिए। प्रतियोगिता बाद का गोण विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके का विकास उनकी जिम्मेदारी है और वे ईमानदारी के साथ इसे बखूबी निभाएंगे। उन्होंने कहा कि नरवाना में तीर्थ का जीर्णोद्वारए अस्पताल के नए भवन का निर्माणए नया बस अड्डा तथा रेस्ट हाऊस की नई बिल्डिंग का काम निकट भविष्य में शुरू हो जाएगा। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद नरवाना प्रगति की राह पर सरपट दौड़ता नजर आएगा और क्षेत्र वासियों को सभी मूलभूत सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलेगा। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम में पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री का स्कूली छात्राओं द्वारा बैंड. बाजे तथा पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। आयोजन समिति द्वारा कैबिनेट मंत्री को स्मृति चिन्हए शॉलए पगड़ी इत्यादि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल छात्र एवं छात्राओं द्वारा अनेक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर वेदांता स्कूल के चेयरमैन रवि श्योकंदए निदेशक प्रदीप नैनए ट्रस्ट चेयरपर्सन शीला देवीए प्राचार्या वीना दाराए एमण्डीण स्कूल कैथल के एमण्डीण विनोद कुमारए भाजपा मंडल अध्यक्ष सत्यवान शर्माए सुरेंद्र प्रजापतिए सरपंच रघुवीर व विनय मित्तलए सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं स्कूली छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहे।

पूंडरी शहर से बेसहारा गोवंश को पकड़कर गोशाला में लाते हुए।

पूंडरी को बेसहारा गोवंश से मुक्त करने के लिए चलाया अभियान

- कश्री जयराम आदर्श गोशाला ने 108 गोवंश पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी शहर की एकमात्र श्री जयराम आदर्श गोशाला द्वारा शहर में बेसहारा घूम रहे गोवंश को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से विशेष गोवंश पकड़ो अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सड़कों और बाजारों में घूम रहे गोवंश को पकड़कर गोशाला में लाया जा रहा है, जिससे शहर को दुर्घटनाओं से मुक्त किया जा सके और गोवंश को भी सुरक्षित जीवन मिल सके।

गोशाला कमेटी के अनुसार अब तक इस अभियान में 108 गोवंश को सड़कों व बाजारों से पकड़कर गोशाला में लाया जा चुका है। गोशाला प्रधान ओमप्रकाश गोलन सहित कमेटी सदस्य रामप्रकाश गोगी, रमेश गोलन, विनोद गर्ग, लाला धर्मपाल और रंगी राम बरसाना ने बताया कि सड़कों पर बेसहारा घूम रहे विशेषकर नंदी व अन्य गोवंश के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही थीं, जिनमें कई बार गोवंश भी घायल हो जाता था। उन्होंने बताया कि बाहर से लाए जा रहे गोवंश के लिए गोशाला कमेटी द्वारा अलग भूमि पर चारदीवारी का निर्माण किया जा रहा है। वहां गोवंश के लिए अलग से शेड, पीने के पानी और चारे की समुचित व्यवस्था की जा रही है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो।वर्तमान में पूंडरी आदर्श गोशाला में लगभग 2500 गोवंश का संरक्षण किया जा रहा है। इसके संचालन में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और शहर के दानी सज्जनों का निरंतर सहयोग मिलता रहता है। कमेटी सदस्यों ने कहा कि पूंडरी आदर्श गोशाला केवल नाम की ही आदर्श नहीं है, बल्कि पूरे हरियाणा की अन्य गोशालाओं के लिए भी एक मिसाल है। गोशाला कमेटी ने स्पष्ट किया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और तब तक चलेगा, जब तक शहर में सड़कों पर घूम रहे प्रत्येक बेसहारा गोवंश को सुरक्षित रूप से गोशाला में नहीं पहुंचा दिया जाता।

राष्ट्रीय लोक अदालत में किया 6111 मामलों का निपटारा

कुल 11618 लंबित मामले रखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल । लोक अदालत में मामलों का निपटारा करते न्यायाधीश तथा पहुंच रहे उपभोक्ता

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार और और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायधीश अजय पराशर की देखरेख में न्यायिक परिसरमें राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

इस लोक अदालत में मोहित अग्रवाल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश, दवेन्द्र सिंह, प्रधान न्यायधीश, पारिवारिक न्यायालय, विरेन काद्यान, अतिरिक्त सिविल न्यायधीश (सिनियर डिविजन), संदीप कौर सिविल न्यायधीश (जूनियर डिवीजन),प्रिंसकुमार सिविल न्यायधीश (जूनियर डिवीजन), कैथल और अक्षय कुमार अतिरिक्त सिविल न्यायधीश (सिनियर डिवीजन) गुहला डिविजन के बैंच गठित किये गये थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 11618 लंबित मामलों को रखा गया था जिसमें से 6111 मामलों का निपटारा किया गया। कुल मुबलिक 10 करोड 99 लाख 87254 रुपये की राशि के विभिन्न अपराधिक, एन आई एक्ट, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन, श्रम से संबंधित विवाद मामले, राजस्व मामले अन्य मामलों का इस राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निपटारा किया गया है। लोक अदालत एक ऐसी अदालत है जिसमें मामलों (विवादों) का निपटारा पक्षकारों की पारस्पारिक सहमति से किया जाता है इसमें न किसी पक्षकार की जीत होती न हार। दोनों पक्षों में पुनः स्नेह, सौहार्द्र एवं बन्धुत्व का भाव उत्पन हो जाता है।

विधायक सतपाल जांबा ने सुनीं आमजन की समस्याएं

पूंडरी । विधानसभा क्षेत्र पूंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने शनिवार को अपने कार्यालय में दैनिक कार्य प्रणाली के तहत क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे आमजन की समस्याएँ सुनीं। इस दौरान उन्होंने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए। विधायक ने कहा कि आमजन से नियमित संवाद और उनकी समस्याओं को समझना उनकी कार्यशैली का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के लोग मेरा परिवार हैं। उनके सुख-दुख में साथ खड़ा रहना मेरा कर्तव्य भी है और मेरी जिम्मेदारी भी। उन्होंने प्रत्येक फरियादी की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना और कई मामलों में मौके पर ही विभागीय अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करवाई। अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।समस्याएँ लेकर पहुंचे क्षेत्रवासियों ने विधायक द्वारा दिखाई गई तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की। लोगों ने कहा कि विधायक का नियमित रूप से आमजन से मिलना और उनकी समस्याओं पर तुरंत प्रतिक्रिया देना क्षेत्र में एक सकारात्मक, पारदर्शी और भरोसेमंद व्यवस्था को दर्शाता है।

भगवान की बाल लीलाओं में सरलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल । प्रवचन करते स्वामी यमुनापुरी महाराज व मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

नारायण सेवा संस्थान उदयपुर शाखा कैथल द्वारा दिव्यांग बंधुओं की सेवा एवं कल्याण के उद्देश्य से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के षष्ठम दिवस पर कथा स्थल पूर्णतः भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। आज की कथा दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुई।

स्वामी यमुनापुरी ने हनुमान वाटिका में कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण एवं रसपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने माखन चोरी, यशोदा मैया का वात्सल्य, पूतना वध, शकटासुर एवं त्रिणावर्त वध जैसी लीलाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि भगवान की बाल लीलाएं प्रेम, सरलता, निष्कपटता और ईश्वर पर अटूट विश्वास का संदेश देती हैं।

महाराज ने कहा कि "भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाएं यह सिखाती हैं कि प्रभु अपने भक्तों की रक्षा स्वयं करते हैं और जीवन में भक्ति के साथ विनम्रता का होना अत्यंत आवश्यक है।" कथा के दौरान वातावरण मधुर भजनों, कीर्तन एवं 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष से निरंतर गुंजायमान रहा। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर कथा श्रवण करते रहे।

आयोजन समिति ने जानकारी दी कि 14 दिसंबर को श्रीमद् भागवत कथा का पाठ प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। साथ ही दिनांक 14 दिसंबर को ही नारायण सेवा केंद्र, कैथल का वार्षिक समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

महारैली को लेकर गुहला विधानसभा में तैयारियां

सीवन। वोट चोरों के खिलाफ महा-रैली को लेकर गुहला विधानसभा क्षेत्र में जोर-शोर से तैयारियाँ चल रही हैं। भारतीय लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के उद्देश्य से आयोजित इस महा-रैली को सफल बनाने के लिए गुहला विधानसभा से विधायक देवेंद्र हंस स्वयं पूरे क्षेत्र में लगातार दौरे कर रहे हैं। वे गांव-गांव और मोहल्लों में पहुंचकर कार्यकर्ताओं व आम नागरिकों से सीधा संवाद कर रहे हैं तथा अधिक से अधिक संख्या में रैली में भाग लेने का आह्वान कर रहे हैं। विधायक देवेंद्र हंस के इस व्यापक जनसंपर्क अभियान के दौरान उनके साथ राहुल राणा, सुरेश सैनी, रवि राणा, पाली सैनी और कुलदीप सैनी भी मौजूद रहे।

युवाओं को दिया नशे से दूर रहने का संदेश

कैथल । पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा जागरूकता टीम में शामिल में एसआई कर्मबीर, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही किस्मत व सोनिया, तथा एसपीओ राजपाल, प्रदीप कुमार और जसविंदर टीम लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके युवाओं सहित आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक कर रही है। इसी कड़ी में शनिवार को पुलिस टीम द्वारा गांव मोहना में मीरा बाबा फुटबॉल क्लब की ओर से आयोजित फुटबॉल खेल प्रतियोगिता में युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में गांव के खिलाड़ियों, युवाओं व बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस टीम ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक जीवन को खोखला कर देता है, जबकि खेलकूद युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित व सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का सशक्त माध्यम है।

खेलों में दर्शन अकादमी का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एडु स्पोट्र्स के तत्वावधान में दर्शन अकादमी, पिहोवा रोड कैथल में अंतर-विद्यालय फुटबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क, आपसी सहयोग तथा शारीरिक एवं मानसिक दक्षता को विकसित करना रहा। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। फुटबॉल एवं खो-खो के सभी मुकाबले अत्यंत रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक रहे, जिनमें खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरे जोश और समर्पण के साथ प्रदर्शन किया। मैचों के दौरान दर्शकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। खिलाड़ियों ने न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि आपसी सौहार्द और अनुशासन का भी उदाहरण प्रस्तुत किया। निर्णायकों द्वारा सभी मुकाबलों का निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन किया गया। कविजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महारैली में पहुंचेंगे भारी संख्या में लोग : राममेहर

पूर्व कांग्रेस सांसद बृजेंद्र सिंह के साथ राममेहर दनौदा।

दनौदा। सद्भाव यात्रा में कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के साथ कदम से कदम मिला कर चल रहे कांग्रेस नेता राममेहर दनौदा ने कहा कि 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ कांग्रेस की महारैली में जींद जिले से सबसे अधिक भागीदारी होगी। सद्भाव यात्रा संयोजक बृजेंद्र सिंह की अगुवाई में इस यात्रा में प्रदेश से भारी संख्या में हर वर्ग के लोग महारैली में पहुंचेंगे। आज हर वर्ग इस बात को जान चुका है कि भाजपा ने जात-पात, धर्म के नाम पर देश को आपस में बांटने का काम किया है। कांग्रेस ऐसी पार्टी है जो हर किसी को साथ लेकर चलती है।

दीन दयालु योजना के तहत आर्थिक सहायता

कैथल । डीसी अपराजिता ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत एक लाख 80 हजार सालाना आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता पर आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणी में एक लाख रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत मृतक व्यक्ति की 6 से 60 वर्ष तक होनी चाहिए। परिवार के द्वारा मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता की स्थिति में घटना की तिथि से तीन महीने के भीतर आवेदन करना होगा।

कैथल से खाटू श्याम और सालासर बालाजी के लिए रवाना हुए श्रद्धालु

कैथल । कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला की लोकप्रिय पहल के तहत हर माह चलने वाली बाबा खाटू श्याम और सालासर धाम की निःशुल्क तीर्थयात्रा बस सेवा का सिलसिला बरकरार है। गतदिवस इस सेवा की छठी बस वार्ड 4 से सैकड़ों भक्तों के साथ रवाना हुई। बस रवानगी के अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने विधायक आदित्य सुरजेवाला और उनके परिवार की इस अनुपम सेवा के लिए हार्दिक आभार जताया। भक्तों का कहना था कि महंगाई के इस दौर में यात्रा, ठहरना और भोजन तक की पूरी व्यवस्था मुफ्त होना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। भक्त कपिल गर्ग, सुमित्रा देवी, विवेक शर्मा, मनप्रीत कौर, दर्शना देवी, राजीव कुमार, शकुंतला देवी, राजबाला, ओमपति, सुनीता इत्यादि ने कहा कि पहले पैसे की कमी से बाबा के दर्शन का सपना अधूरा रह जाता था, लेकिन आदित्य भाई की वजह से अब हर महीने यह मौका मिल रहा है। सिर्फ भजन गाओ और दर्शन कर लौट आओ– कोई चिंता नहीं। बस में यात्रा कर रहे अन्य श्रद्धालुओं निर्मला देवी, हरनीर शर्मा, भूषण शर्मा, ख़ुशी गर्ग, सुमित्रा देवी, नरेश कुमार इत्यादि ने उत्साह से बताया कि यह सेवा कैथल क्षेत्र के लिए एक मिसाल है।

समस्या शिकायतों के बाद भी प्रशासन स्तर पर नहीं हो रही कार्रवाई

नगरपालिका पूंडरी में फर्जी एनडीसी बनाने का फर्जीवाड़ा उजागर

कर्मचारियों ने पूरा दोष सर्वे करने वाली कंपनी 'याशी' पर डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

जानकारी देते हुए पबनावा गांव के शिकायतकर्ता शमशेर सिंह।

नगरपालिका पूंडरी में लाल डोरे की संपत्तियों पर फर्जी नो ड्यूज़ प्रमाणपत्र (एन.डी.सी.) जारी करने का मामला उजागर हो रहा है। लंबे समय से चल रहे इस खेल की शिकायतें स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर विधायक सतपाल जांबा तक कई बार पहुंच चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी स्तर पर ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। एक मामला गांव पबनावा के शमशेर सिंह का है, जिन्होंने मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल तथा तहसीलदार को दी शिकायत में गंभीर आरोप लगाए हैं कि पूंडरी स्थित उनकी लाल डोरे वाली प्रॉपर्टी पर 'ईश्वर' नाम के व्यक्ति के नाम से फर्जी नो ड्यूज़ प्रमाणपत्र बना दिया गया। जबकि संपत्ति उनकी है और उन्होंने किसी को न तो बेचा है और न ही कोई अधिकार सौंपा है। शमशेर सिंह का आरोप है कि जब इस बारे में उन्होंने नगरपालिका कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा तो कर्मचारियों ने जिम्मेदारी से बचते हुए पूरा दोष सर्वे करने वाली कंपनी 'याशी' पर डाल दिया। जबकि रिकॉर्ड के अनुसार यह सर्वे वर्ष 2022 में तत्कालीन नगरपालिका सचिव सहित अन्य अधिकारियों द्वारा बाकायदा सत्यापित किया गया था। सबसे गंभीर आरोप यह है कि बिना मालिकाना हक़ होने और फर्जी एनडीसी के आधार पर वर्ष 2023 में तत्कालीन तहसीलदार द्वारा रजिस्ट्री भी कर दी गई। यह नगरपालिका और राजस्व विभाग के सरकारी आँकड़ों में हेराफेरी का सीधा मामला है। शिकायतकर्ता शमशेर सिंह के अनुसार, यदि उनकी संपत्ति किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दी गई थी, तो कम से कम खरीद से जुड़े दस्तावेज, स्टाम ड्यूटी या अन्य कानूनी औपचारिकताएं तो होनी चाहिए थीं, लेकिन ऐसा कुछ भी मौजूद नहीं है। इससे पूरी प्रक्रिया में मिलीभगत की आशंका और भी मजबूत हो जाती है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मामले की शिकायत राज्य उप-पंजीयक अधिकारी कैथल को भी एक महीने पहले की थी, किंतु अब तक कोई उत्तर नहीं मिला है। इससे स्पष्ट है कि मामला प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ रहा है, जबकि पीड़ित अपनी ही संपत्ति के लिए दर-दर चक्कर काटने को मजबूर है।

जांच जारी

मामले की जांच डीसी कार्यालय में चल रही है। उनके पास कोई भी शिकायत आती है तो वे उसकी विभागीय जांच करवाते है। इसके अलावा शहर वासियों की किसी की भी ऐसे लाल डोरे की जमीन प्लाट हो तो वे उसके दस्तावेज लेकर नाम करवाएं और अगर कोई त्रुटि भी है तो उसे ठीक करवाएं।

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेषः विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता

शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। उर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन द्वारा संभव है
कैंसर का इलाज बिना किमो-बिना रेडिएशन

देवी अहिल्या कैंसर अस्पताल इंदौर
NO CHEMO THERAPY
- स्पष्ट प्रभाव परिणाम
- कम खर्चिला
- उच्चतम सफलता दर
- कैंसर की अंतिम स्टेज पर भी प्रभावशाली उपाय
NO RADIO THERAPY
- दर्द रहित इलाज
- कोई दुष्प्रभाव नहीं
- सफल इलाज के रिकार्डस
- अच्छे अनुभवी डॉक्टर
www.dahrc.in
HELPLINE 9584040131
कैंसर की जंग में हम आपके साथ हैं ...
1, आनंद नगर, चितावद, नेमावर रोड, नवलखा, इंदौर
फोन-0731-4084422 | 9685029784

पर्यटन स्थल
वीना गौतम

प्राकृतिक सौंदर्य-आनंद का अरण्य
नंदन कानन वन

कई पुराणों, रचनाओं में वर्णित नंदन वन आज भी अपने नैसर्गिक सौंदर्य के साथ उपस्थित है। यहां पहुंचकर आनंद और प्रकृति के सान्निध्य की अनोखी अनुभूति होती है। नंदन वन के सौंदर्य और महत्ता को पुनः हासिल करना चाहते हैं, तो हमें नंदन वन को संरक्षण देना होगा। इस वन की विशेषताओं और महत्ता के बारे में जानिए।

नंदन वन-यह शब्द सुनते ही मन में एक दिव्य, हरा-भरा और संगीतपूर्ण वातावरण का चित्र उभरता है। वास्तव में यह केवल एक भौगोलिक स्थल भर नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है। जिस तरह अपने देश में स्थित दंडकारण्य को युगों पहले तप और त्याग की भूमि माना जाता रहा था और नैमिषारण्य को ज्ञान की स्थली माना जाता था। उसी तरह नंदन वन आनंद, सौंदर्य और प्राकृतिक सामंजस्य की भूमि के तौर पर जाना जाता है।

प्राचीन-पौराणिक उल्लेख

इस वन का उल्लेख वेद, महाभारत, रामायण, भागवत पुराण और विष्णु पुराण में स्वर्गलोक के बागीचे के रूप में मिलता है। लेकिन इसकी पृथ्वीलोक में भी अपनी भौतिक उपस्थिति थी, जहां पुण्य आत्माएं अपने कर्मों के मुताबिक विश्राम करती थीं। अगर हम पौराणिक दृष्टि से देखें तो महर्षि नारद और इंद्र के संवादों में बार-बार नंदन वन का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर प्रतीकात्मक अर्थ में नंदन वन, मनुष्य के भीतर सौंदर्य, आनंद और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता रहा है, जो हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा आनंद और सौंदर्य बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि भीतरी मन और प्राकृतिक संतुलन में ही संभव है।

अब हो गया नंदन कानन वन

यहां जिस नंदन वन की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कर रहे हैं, वह अब नंदन कानन वन के नाम से जाना जाता है, जो मौजूदा ओडिशा राज्य में एक आधुनिक अभ्यारण्य के रूप में मौजूद है। यह नंदन कानन वन, जैविक उद्यान या जियोलॉजिकल पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह प्राचीन और पौराणिक नंदन वन का आधुनिक रूप है। यह उद्यान भुवनेश्वर से करीब 15 किलोमीटर दूर जूनागढ़ वन क्षेत्र में स्थित है, जिसका नामकरण 29 दिसंबर 1960 को 'नंदन कानन' के रूप में हुआ था।

रहते हैं कई प्रजातियों के जंतु

आज की तारीख में नंदन कानन महज जैविक उद्यान भर नहीं है बल्कि भारत के प्रमुख चिड़ियाघरों में से एक है। 437 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस जैविक उद्यान में 157 प्रजातियों के तकरीबन 3517 से अधिक जानवर रहते हैं। इनमें सफेद बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। यह उद्यान केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं करता बल्कि पर्यावरणीय शिक्षा और जैव विविधता के महत्व को भी बढ़ावा देता है। यहां की व्हाइट टाइगर सफारी, लायन सफारी और बटरफ्लाई पार्क पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

पर्यावरणीय-सांस्कृतिक महत्ता

नंदन कानन जैविक उद्यान का आज की तारीख में पौराणिक से ज्यादा पर्यावरणीय महत्व है। यह स्थान न केवल वन्यजीवों का घर है बल्कि जैव विविधता, पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक सौंदर्य का भी केंद्र है। यहां स्थित कंजिया झील और आस-पास के जंगल क्षेत्र वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं और देश के दूर-दूर से आए पर्यटकों को प्रकृति के समीप आने का एहसास कराते हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नंदन वन भारतीय लोककला, संगीत और साहित्य की प्रेरणा का भी स्रोत है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांति ने अनेक रचनाकारों को अपनी रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। नंदन वन प्रकृति के संतुलन और सौंदर्य का संरक्षण करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आनंद का स्रोत है। यह इसके उपभोग का जरिया नहीं है। जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षारोपण की भावना इसी नंदन वन की संस्कृति का हिस्सा है।

कई रचनाओं में है उल्लेख

चाहे वेदों, पुराणों में वर्णित नंदन वन हो या आज भारत के कई क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग नंदन वन, सभी का उद्देश्य पृथ्वी के सौंदर्य और प्राकृतिक संपन्नता से है। इनका वर्णन कई रचनाकारों ने किया है। किसी कवि ने लिखा है- *वृक्ष वंदन हों, नदियां गान करें/ और मन में निर्मल आनंद बहे/ तो समझो हम नंदन वन में हैं।* कुछ इसी प्रकार प्रसिद्ध कवि जयदेव के 'गीत गोविंद' में नंदन वन का रूपक मिलता है। इसी तरह अनेक लोकगीतों में नंदन वन का आनंद जैसी पंक्तियां आती हैं। इसलिए यह केवल एक स्थान नहीं बल्कि मन और आत्मा को दिव्य अनुभव देता है। इसलिए आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि नंदन वन के महत्व को समझें, उसके संरक्षण का प्रयास करें। *

देश में और भी हैं नंदन वन

जहां तक हम पुराणों में उल्लिखित नंदन वन की कल्पना करते हैं, तो वह अकेला नंदन कानन वन क्षेत्र ही नहीं है। बल्कि देश के कई अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद कुछ वनों को भी प्राचीन काल से नंदन वन ही कहा जाता रहा है। एक नंदन वन का रिश्ता छत्तीसगढ़ के नंदन वन जैव उद्यान से है, जो कि वहां की राजधानी रायपुर में स्थित है। छत्तीसगढ़ का यह नंदन वन 202 हेक्टेयर में फैला है और यहां भी बाघ, शेर, भालू, हाथी, मोर, मगरमच्छ जैसी जीव प्रजातियों का घर है। इस आधुनिक नंदन वन का उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षण देना और पर्यावरण के साथ-साथ ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही देश के एक और पहाड़ी क्षेत्र में ऐसा ही नंदन वन स्थित है। यह उत्तराखंड में स्थित है और यह भी हिमालयी क्षेत्र का प्राकृतिक उद्यान है। इसके परिक्षेत्र में आने वाले कई क्षेत्र जैसे कौसानी, रानीखेत, औली आदि में लोग इसे नंदन वन ही पुकारते हैं। यहां की सुंदरता, देवदारों की सुगंध और हिमालय का वैभव, इस वन क्षेत्र को एक दिव्यता प्रदान करता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली ऊपर से नकारात्मकता, असुरक्षा, डर का माहौल। ऐसे में चिंता, तनाव या भ्रम की स्थिति होना स्वाभाविक है। इस स्थिति को कैसे हैंडल करें कि आप हैप्पी-कूल रह सकें? आपके लिए उपयोगी सलाह।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

चिंता-तनाव को करें दूर रहें हमेशा टेंशन-फ्री

वर्तमान समय में हर किसी की जिंदगी में कशमकश, तनाव और चिड़चिड़ापन व्याप्त है। हिंसा, चोरी, ठगी, अन्याय या प्रतिशोध जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। जिस तरह आज के दौर में नकारात्मकता, हिंसा और वैचारिक प्रदूषण नजर आ रहा है, ऐसा पहले नहीं था। ऐसे में व्याकुलता, झुंझलाहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। यह सच है कि दूसरों के विचारों, उनके क्रियाकलापों पर आपका नियंत्रण नहीं है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें अपना कर आप स्वयं को शांत, खुश और संयत रख सकते हैं।

किसी अजनबी की तारीफ करें: न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि किसी अजनबी द्वारा की गई साधारण सी तारीफ भी न केवल किसी का दिन बना सकती है बल्कि उस व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी इजाफा कर सकती है। आप ऐसा करेंगे तो न सिर्फ अजनबी को बल्कि आपको भी खुशी मिलेगी। आप लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो वहां उपस्थित दूसरे लोग भी यकीनन आपके साथ सकारात्मक व्यवहार करेंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एक्सपर्ट डॉक्टर डेबोरा ब्लम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अजनबियों के साथ दोस्ताना व्यवहार से आप बेहतर महसूस करते हैं।

कम गहरे रिश्तों को दें महत्व: हमें अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों का दायरा कुछ बेहद खास, गिने-चुने लोगों तक ही संकुचित नहीं रखना चाहिए। नए दोस्तों को अपने जीवन में शामिल करना फायदेमंद होता है। ये नए रिश्ते न केवल हंसी-खुशी में योगदान करते हैं बल्कि कई तरह की मानसिक जरूरतों को भी पूरा करते हैं। कम गहरे रिश्ते में एक-दूसरे से बड़ी-बड़ी उम्मीदें, ईर्ष्या और कुंठा की संभावनाएं भी कम होती हैं। इससे मन कम आहत होता है।

विचारों का विश्लेषण करें: विचारों का हमारे तन-मन पर गहरा असर पड़ता है। जब बहुत सारे विचार उलझ गए हों और आप परेशान रहने लगे हों तो विचारों का एनालिसिस शुरू करें। हर दिन की समाप्ति पर अपने विचारों को तीन भागों में बांट लें। प्रेरक, सामान्य और नकारात्मक। नकारात्मक विचारों को दूसरे नजरिए से देखें-सोचें। इसे ऐसे सोचें, 'यह सब मेरे नियंत्रण में नहीं। लेकिन मैं सावधान रहूंगा और गलत चीजों से दूर रहूंगा।'

खुद को शक्तिशाली समझें: अक्सर लोग आस-पास के कोलाहल, अव्यवस्था आदि से घबरा जाते हैं या भयभीत हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि हमें स्वयं को सक्षम, समझदार और शक्तिशाली समझना चाहिए। इससे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आता है और दुनिया की वास्तविकताओं का हम सामना कर पाते हैं। इससे हम भ्रम, भय और संशय से मुक्त रहेंगे।

रोज कुछ अच्छा देखने का प्रयास करें: आपको अच्छी चीजें खोजने, उन्हें देखने और महसूस करने की आदत डालनी चाहिए। 'एंज्वॉइंग एवरीडे ब्यूटी' पुस्तक में इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही गई है- यदि आप आस-पास की छोटी चीजों में सौंदर्य खोजने लगें तो यह आपके जीवन को सकारात्मकता और आनंद से भर सकता है।

सूचनाओं का एक्सपोजर कम करें: बहुत सारी सूचनाएं देखकर, पढ़-सुनकर भी हमारा मन नकारात्मक और अशांत हो जाता है। हमें अपने मतलब और काम भर की सूचनाओं पर ही फोकस करना चाहिए। यहां बताई गई इन बातों का ध्यान रखकर आप चिंता और तनाव से मुक्त रह सकते हैं। *

विंटर एसेसरीज
विवेक कुमार

ये ट्रेंडी-स्टाइलिश ग्लव्स देंगे हॉट फील-कूल लुक

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए गर्म ड्रेसेस, एसेसरीज तो सभी कैरी करते हैं। लेकिन यंगस्टर्स उसमें भी ऐसी चीजों को प्रेफर करते हैं, जो उन्हें स्टाइलिश लुक भी दे। इसीलिए विंटर ग्लव्स अब सिर्फ यंगस्टर्स के हाथों को गर्म रखने वाली एसेसरीज नहीं हैं बल्कि ये विंटर सीजन के लिए उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। बाजार में उपलब्ध ग्लव्स के नए-नए डिजाइन, टेक फ्रेंडली फैब्रिक और स्पोर्टी अर्बन लुक भी इनकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का कारण है।

फैशनेबल दिखाएं: इन दिनों बाजार में अनेक तरह के ग्लव्स मिल रहे हैं, जो विशेष तौर पर फैशन पसंद युवाओं के लिए सर्दी का खास पहनावा बन गए हैं। विंटर ग्लव्स की बढ़ती डिमांड के कारण आजकल बाजार में विंटर ग्लव्स की बहार आई हुई है। डबल लेयर्ड, वाटर रेसिस्टेंट और विंड प्रूफ मैटेरियल से बनने वाले विंटर ग्लव्स इन दिनों युवाओं के एसेसरीज नंबर-वन बने हुए हैं।

हाथों को देते हैं गर्माइश: सर्दी के मौसम में हथेलियों में ठंड लगने की वजह से कोई भी काम करने में असुविधा होती है। हाथों को सर्दी से बचाने के लिए नरम ऊन, फ्लीस या न्यूट्रिन से बने ग्लव्स न केवल हाथों की गर्मी को अंदर ही कैद रखते हैं बल्कि यह बाहरी ठंड को भी अंदर नहीं घुसने देते। कहने का मतलब, ये ग्लव्स सर्दियों में हाथों को भरपूर गर्माइश देते हैं। शहरी युवाओं के बीच ये ग्लव्स फैशनेबल एसेसरीज के रूप में जाने जाते हैं।

टच स्क्रीन ग्लव्स: आज के दौर में मोबाइल या लैपटॉप हमारे कामकाजी जीवन के साथ-साथ डेली लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बाजार में अब ऐसे ग्लव्स भी मिल रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने मोबाइल, टैब और लैपटॉप को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ये टच स्क्रीन फ्रेंडली ग्लव्स, युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इन ग्लव्स में अंगूठे और तर्जनी पर विशेष किस्म के कंडक्टिव फाइबर की वजह से इन्हें पहनकर मोबाइल, स्मार्ट वाच या टैबलेट को आसानी से चलाया जा सकता है। कॉलेज गोइंग स्टुडेंट्स, कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के लिए यह पहली पसंद है।

बाइक राइडर के लिए: सर्दियों में बाइक चलाते समय ठंडी हवा के तेज झोंके हाथों को सुन्न कर देते हैं, जिसके कारण हैंडल को नियंत्रित करने में मुश्किल आती है। इसलिए पाम गार्ड ग्लव्स, लेदर ऑल सीजन ग्लव्स और ग्रिप एनहैंस ग्लव्स की भी सर्दियों में जबर्दस्त मांग होती है। इस बार बाजार में रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स, एंटी स्लीप टेक्सचर और थर्मल पैडिंग वाले ग्लव्स बाइक चलाने वाले युवाओ की जबरदस्त पसंद बने हुए हैं। *

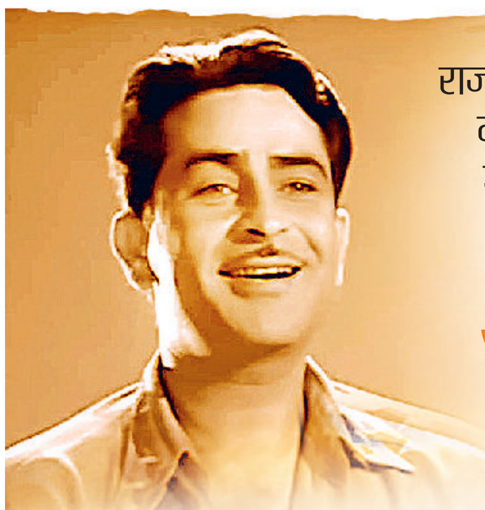

राज कपूर का जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा की बात अधूरी ही रहेगी। केवल अभिनय में ही नहीं, फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी उनका अंदाज सबसे निराला था। उनकी कई फिल्मों को क्लासिक का दर्जा हासिल है। राज कपूर की जयंती (14 दिसंबर) पर हिंदी फिल्मों में उनके योगदान पर एक नजर।

अनोखे फिल्मकार-लाजवाब अभिनेता थे हिंदी फिल्मों के पहले शोमैन राज कपूर

यादें / मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों के ज्यादातर दर्शक थिएटर इस उद्देश्य से जाते हैं कि वे रुपहले पर्दे के सामने बैठकर कुछ देर के लिए बाहर की दुनिया को भूलकर सिनेमा के संपूर्ण मनोरंजन में डूब जाएं। दर्शकों की इस सोच और कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती हैं राजकपूर की फिल्में।

'शोमैन' से कहीं आगे

राजकपूर को हिंदी सिनेमा का पहला 'शोमैन' कहा जाता है, लेकिन उनकी शख्सियत इससे भी कहीं बढ़कर थी। उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं, सभी में दर्शकों को हर प्रकार से भरपूर मनोरंजन मिला। उन्होंने संदेशपरक फिल्में भी बनाईं, उनकी ऐसी फिल्मों की कहानी और उसका प्रस्तुतिकरण भी लाजवाब हुआ करता था। संगीत, गीत, लोकेशन हो, चाहे फिल्म में काम कर रहे अभिनेता-अभिनेत्री हों या फिर विलेन ही क्यों न हों, सभी को देखकर लगता ही नहीं कि हम कोई सिनेमा देख रहे हैं। नायक-नायिका से लेकर फिल्म के सभी पात्र, यहां तक कि फिल्म की कहानी भी आस-पास के ही होने का अहसास कराते थे। यह प्रभाव, यही जादू था राजकपूर की फिल्मों का।

फिल्म मेकिंग की हर विधा में माहिर

राज कपूर फिल्म निर्माण के हर पक्ष में माहिर थे। बात अभिनय की हो, गीत-संगीत चुनने की, नायक-नायिका के ड्रेस सेलेक्शन की, लोकेशन डिसाइड करने की, कहानी समझने या निर्देशन कौशल की बात हो या फिर कैमरामैन के साथ बैठकर फिल्मांकन कराना, हर जगह उनकी एक स्पेशल छाप दिखती थी। उनकी यूनिट में शामिल क्लैप ब्वॉय से लेकर पर्दे के पीछे तक रहने वालों तक पर वह पैनी नजर रखते थे। आज भी एक्टर्स-डायरेक्टर्स उनके एक्टिंग और डायरेक्शन की बारीकियां देखते हैं, सीखते-समझते हैं, उनसे इंस्पायर होते हैं। आज भी जब-तब फिल्मों में राज कपूर का प्रभाव नजर आ जाता है।

फिल्म 'आवारा' में राज कपूर का अंदाज था निराला

'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर ने किया शानदार अभिनय

दी कई यादगार फिल्में

1935 से लेकर 1988 तक राजकपूर ने 70 फिल्मों में अभिनय किया। 17 फिल्मों का निर्माण और 10 फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में से कुछ को छोड़कर राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों की गिनती आज भी हिंदी सिने जगत की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म 'मेरा नाम जोकर', शुरुआत में नकारी गई, लेकिन बाद में इस फिल्म ने तीन नेशनल अवार्ड जीतकर बता दिया कि जोकर ताश की गड्डी का सरताज होता है और किसी को भी मात दे सकता है। फिल्म का वह गीत 'अपने पे हंस के, जग को हंसाया, बन के तमाशा मेले में आया' आज जब हर कहीं दूसरे को रुलाने का दौर है, तब खुद पर हंसकर दूसरे को हंसाने वाले 'जोकर' की प्रासंगिकता समझ में आती है।

मिला भरपूर मान-सम्मान

राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर की लिगेसी को न सिर्फ कायम रखा बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ पूरे हिंदी फिल्म जगत के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़कर गए राज कपूर। एक तथ्य यह भी है कि कपूर फैमिली के तीन सदस्यों को दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर, दादा साहेब फाल्के से सम्मानित हो चुके हैं। राजकपूर को पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार और ग्यारह फिल्मफेयर अवाड्र्स सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर गाए-बजाए जाते हैं। 'मेरा जूता है जापानी...फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' तो एक समय में पूरे देश में सुना जाता था और लोग उसे खूब गाते-गुनगुनाते थे।

फिल्माए यादगार गीत-दृश्य

राज कपूर की फिल्मों के कई गीत और उनके दृश्य आज भी दर्शकों के मन पर अंकित हैं। घर में आटा गूंथती स्त्री के माथे पर आने वाली लटें, 'हम तुम एक कमरे में बंद हों', 'झूठ बोले कौआ काटे', 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं आसमान का तारा हूं', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'सुन साहिबा सुन' जैसे तमाम गीत और इनके लोकेशंस आज भी भुलाए नहीं भूलते! ये वो सदाबहार गीत हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर आते रहते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड भी करते रहते हैं।

अंदाज था निराला

राज कपूर के फिल्मांकन में निरालापन हर कहीं देखा जा सकता है। उनकी फिल्मों में हास्य की बात करें तो वहां फूहड़ता नहीं, एक किस्म की निश्छलता और भोलापन दिखता है। पर्दे पर उनकी निश्छल हंसी सभी का मन मोह लेती और हंसाती, गुदगुदाती थी। कई बार हंसाते-हंसाते रुलाती भी थी। इस मामले में राज कपूर की तुलना अकसर चार्ली चैपलिन से की जाती है।

तमाम आलोचनाओं के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली', 'श्री चार सौ बीस', 'आवारा', 'जागते रहो', 'बरसात', 'आग' जैसी फिल्में और इनके कुछ दृश्य 'क्लासिक' हैं। सामाजिकता को अपनी फिल्मों का विषय बनाकर उसे मनोरंजन के साथ पेश करना और रोमांटिक सींस में भी पवित्र प्रेम को दिखाना सिर्फ राज कपूर के द्वारा ही संभव था। *